वैशाख शुक्ल पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 284 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 अप्रैल 2026 सोमवार

आज का मौसम
41.8 अधिकतम
27.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

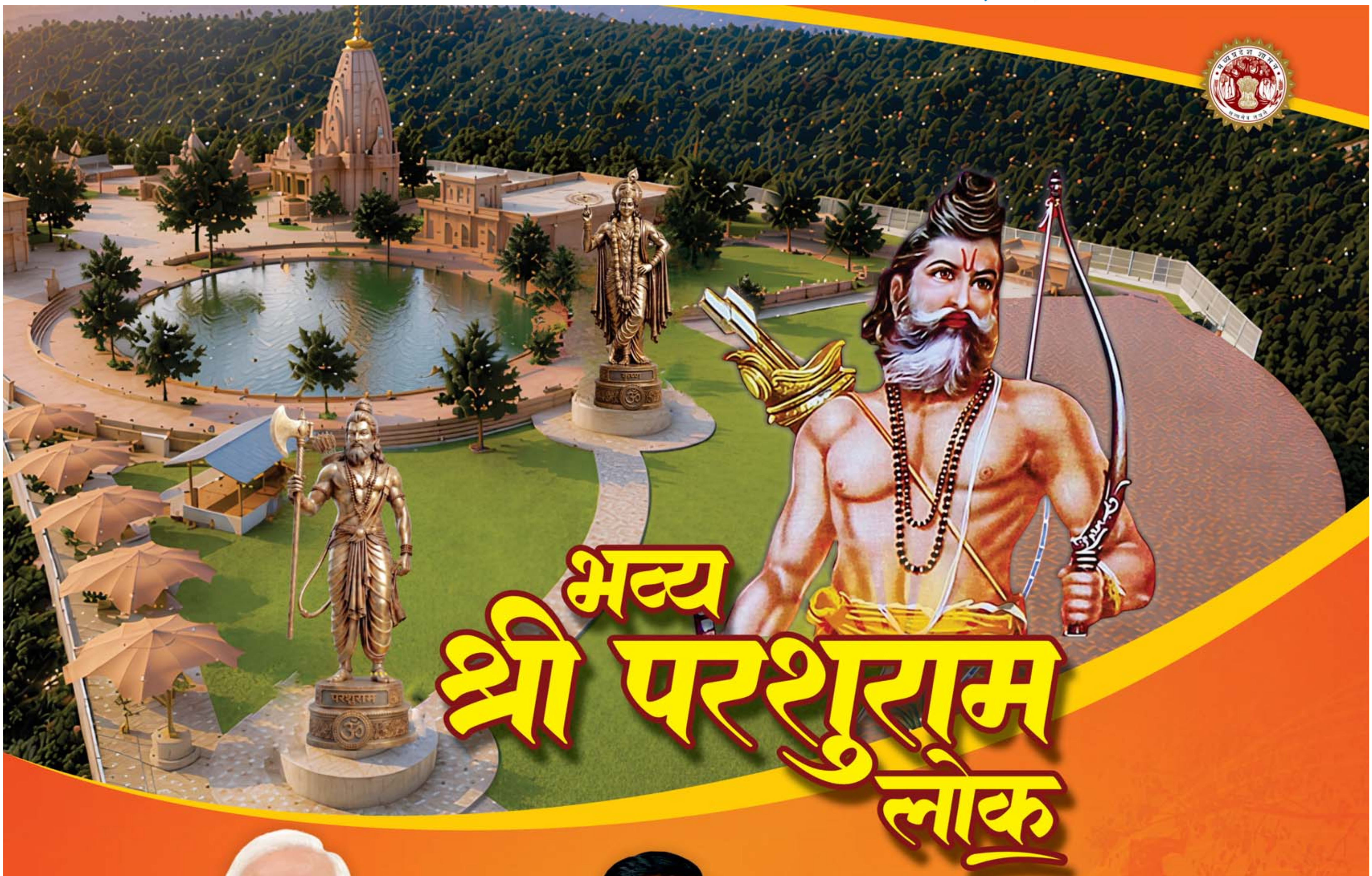

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

भगवान श्रीकृष्ण के चरणों से पावन हर स्थल पर साकार हो रहा श्रीकृष्ण पाथेय

जानापाव - जीवंत होगा धर्म, ज्ञान और दिव्यता का अद्वितीय लोक

विरासत का विकास
इस देवस्थान का लगभग ₹17 करोड़ की लागत से होगा भव्य निर्माण

विशाल प्रवेश द्वार
विशिष्ट पत्थर एवं धातु से निर्मित 30 फीट ऊंचा आकर्षक प्रवेश द्वार

भव्य कांस्य प्रतिमाएं
प्रांगण में स्थापित होंगी भगवान श्री परशुराम एवं भगवान श्रीकृष्ण की कांस्य से निर्मित प्रतिमाएं

सुसज्जित परिसर
लैंडस्केपिंग, पाथवे एवं अन्य आधुनिक विकास कार्यों से बनेगा सुन्दर परिसर

कथा मंच
धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए समर्पित मंच

मंडप एवं दृश्य स्थल
प्रांगण में चार मंडप एवं दृश्य स्थल, अनुभव को बनाएंगे और भी विशेष

पौराणिक संग्रहालय
भगवान श्री परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन को दर्शाती 5 विशेष दीर्घाएं

दीर्घाएं
अस्त्र-शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा एवं ध्यान दीर्घा

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ता मध्यप्रदेश

D-11012/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह

भोपाल के शाहपुरा चौराहे पर आज अक्षय तृतीया के अवसर पर पाल समाज ने सामूहिक विवाह का आयोजन किया। जिसमें कई दूल्हा-दुल्हनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर दांपत्य जीवन में प्रवेश किया।

पुरानी इमारतों और सड़कों को नहीं होगा नुकसान, आधुनिक तकनीक से बन रही है टनल

भोपाल में रेलवे स्टेशन के नीचे दौड़ेगी मेट्रो अहिल्याबाई टीबीएम का इंस्टालेशन शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड कारिडोर का काम अब एक और नए पड़ाव पर पहुंचने जा रहा है। भोपाल रेलवे स्टेशन की तरफ से दुर्गावती टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) सुरंग बनाने में जुटी हुई है। वहीं अब दूसरी टनल के लिए अहिल्याबाई टीबीएम को टनल में उतारा जा चुका है। हालांकि अभी टीबीएम के दूसरें और तीसरे पार्ट को असेंबल किया जा रहा है। लिहाजा जल्द ही दुर्गावती के साथ अब अहिल्याबाई टीबीएम भी दूसरी टनल बनाने का काम शुरू करेगी।

गौरतलब है कि शहर की पहली 3.39 किलोमीटर लंबी ट्विन टनल का निर्माण कार्य 30 मार्च से जारी है। 24 मीटर नीचे दुर्गावती टीबीएम संभलकर आगे बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ अहिल्याबाई टीबीएम भी टनल की खोदाई करने के लिए तैयार हो रही है। मेट्रो प्रबंधन का दावा है कि विशेषज्ञों की देखरेख में चल रहा यह सुरंग बनाने का काम अगले 3 माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

टनल में उतरे अहिल्याबाई टीबीएम के सभी पार्ट

भोपाल रेलवे स्टेशन पर अहिल्याबाई टीबीएम के सभी पार्ट टनल में उतारे जा चुके हैं । पहले पार्ट के साथ दूसरे और तीसरे पार्ट को असेंबल किया जा रहा है। बुस्टिंग का पार्ट तब लगाया जाएगा। जब खोदाई करने के लिए मेट्रो प्रबंधन की तरफ से हरी झंडी मिल जाएगी। यह काम उत्तर भारत के तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में किया जा रहा है। कंप्यूटर कंट्रोल सिस्टम और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग की मदद से इस पूरे आपरेशन की बारीकी से मॉनिटरिंग की जा रही है।

10 मीटर पहले ही भांप लेगी कंपन

मेट्रो प्रबंधन के अफसरों का कहना है कि यह टीबीएम पूरी तरह आधुनिक है। यह मशीन खोदाई के दौरान होने वाले किसी भी तरह के कंपन को 10 मीटर पहले ही भांप लेगी। इससे ऊपर बनी पुरानी इमारतों या सड़क पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सुरक्षा प्रोटोकाल की निगरानी के लिए अलग-अलग विषय विशेषज्ञों की टीम तैनात की गई है। एमडी, एमपी मेट्रो एस.कृष्ण चैतन्य ने बताया कि अहिल्याबाई टीबीएम के इंस्टालेशन का काम चल रहा है। टनल में टीबीएम के तीनों पार्ट उतारे जा चुके हैं। सप्ताह भर में दूसरी टीबीएम खोदाई के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगी।

परशुराम जयंती पर प्रोग्रेसिव ब्राह्मण फेडरेशन ऑफ इंडिया का पोस्टर लांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर भोपाल स्थित परशुराम मंदिर परिसर में प्रोग्रेसिव ब्राह्मण फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संगठन का आधिकारिक पोस्टर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, युवा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ की गई। इसके पश्चात संगठन के पदाधिकारियों ने पोस्टर का अनावरण करते हुए संगठन के उद्देश्यों और भावी योजनाओं की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने कहा कि प्रोग्रेसिव ब्राह्मण फेडरेशन ऑफ इंडिया समाज में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, युवा सशक्तिकरण एवं समरसता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। साथ ही युवाओं से संगठन से जुड़कर समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। अतिथियों ने संगठन की पहल की सराहना करते हुए इसे समाज को एक नई दिशा देने वाला कदम बताया। अंत में सभी ने एकजुट होकर समाज के विकास एवं उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुखरूप से नितिन पालीवाल अनिल भार्गव विवेक त्रिपाठी अनमोल दुबे आशुतोष पाठक अभिषेक शर्मा राहुल शर्मा हरीश चौबे आदि उपस्थित रहे।

हास्य और भावनाओं के संगम ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

वीना कला सेवा समिति द्वारा दो यादगार सिंधी नाटकों 'किराये जा कांधी' और 'बारनि जा सपना' का मंचन किया गया। इस शाम ने न केवल सिंधी भाषा की मिठास बिखेरी, बल्कि सामाजिक विडंबनाओं पर हास्य के माध्यम से गहरा प्रहार भी किया। संत हिरदाराम ऑडिटोरियम में आयोजन नाट्य संध्या की शुरूआत इष्टदेव भगवान झूलेलाल जी की ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया गया। समिति के अध्यक्ष राकेश शेवानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत सिद्ध भाऊजी ने कहा, परिवार में नई आने वाली बहुओं और बच्चों को आपस में सिंधी में ही बात करनी चाहिए। बचपन से डाली गई सिंधी बोलने की आदत ही हमारी संस्कृति को जीवित रख सकती है।

कड़वी सच्चाई और मासूम सपने: संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की नाट्य संध्या में पहली प्रस्तुति वरिष्ठ साहित्यकार भगवान बाबाणी द्वारा लिखित नाटक 'किराये जा कांधी' रही। यह नाटक समाज में रिश्तों की औपचारिकता और दिखावे की प्रवृत्ति पर एक तीखा व्यंग्य है, जिसे दर्शकों ने हास्य के पुट के साथ खूब सराहा।

चिकित्सा उपकरणों की लापरवाही बन सकती है जानलेवा खतरा

एम्स ने दी चेतावनी, समय पर शिकायत जरूरी

भोपाल। एम्स ने मरीजों और उनके परिजनों को आगाह करते हुए कहा है कि इलाज के दौरान उपयोग में आने वाले चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी किसी भी तरह की गड़बड़ी या दुष्प्रभाव को नजरअंदाज करना गंभीर परिणाम दे सकता है। संस्थान का कहना है कि अक्सर लोग छोटी समस्या समझकर इसे टाल देते हैं, लेकिन लापरवाही आगे चलकर जानलेवा साबित हो सकती है। इसी उद्देश्य से बंगरसिया स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें लोगों को समय पर शिकायत दर्ज कराने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा उपकरण से हो सकता है कई तरह का नुकसानः विशेषज्ञों के अनुसार चिकित्सा उपकरणों में तकनीकी खराबी या गलत उपयोग से संक्रमण फैलना, गलत रीडिंग के कारण गलत इलाज, उपकरण का अचानक फेल होना, एलर्जी या त्वचा पर रिएक्शन और गंभीर मामलों में अंगों को नुकसान या जीवन को खतरा तक हो सकता है। कई बार यह छोटी समस्या आगे चलकर गंभीर स्थिति का रूप ले लेती है। डॉक्टरों का कहना है कि इलाज के दौरान अगर मरीज को असामान्य दर्द, जलन, सूजन या किसी उपकरण से जुड़ी अजीब प्रतिक्रिया महसूस होती है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर सूचना न देने से सही इलाज में देरी होती है और जोखिम बढ़ जाता है। मरीज या परिजन टोल-फ्री नंबर 1800-180-3024, मोबाइल एप या उपभोक्ता रिपोर्टिंग फॉर्म के जरिए आसानी से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसका उद्देश्य समय पर जानकारी लेकर मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव के लिए चल रहा विशेष अभियान

प्रदेश में दो लाख से अधिक किशोरियों को लग चुका टीका

14-15 साल की किशोरियों को लगाई जा रही वैक्सीन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश समेत भोपाल जिले में 14 से 15 वर्ष की बेटियों की सुरक्षा को लेकर दो लाख से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण को लेकर विशेष अभियान चला रहा है। ये एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरियों को लगाई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार भोपाल जिले में करीब 19 हजार बेटियों को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। यह टीकाकरण अभियान उन बेटियों को गंभीर बीमारियों, खासकर जो सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए लगाया जा रहा है। इसमें बालिकाओं को अभिभावकों की सहमति से सिंगल डोज में टीका लगाया जा रहा है। टीकाकरण के बाद 30 मिनट तक निगरानी की जा रही है। बता दें कि प्रदेश समेत जिले भर में यह अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को प्रदेश में लगभग 8 लाख और भोपाल जिले में 28,500 किशोरियों का टीकाकरण करने का लक्ष्य मिला है। हालांकि दिए गए लक्ष्य के मुकाबले कम टीकाकरण हो पाया है। शासन ने दो माह में शतप्रतिशत टीकाकरण करने का लक्ष्य स्वास्थ्य विभाग को दिया है। इसमें अभी एक माह में केवल 25 फीसदी ही टीका लग पाया है। ये अभियान विभाग अपने स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से चला रहा है। विभाग ने कहा है कि शेष बालिकाओं को भी जल्द ही टीका लगाया जाएगा। भोपाल जिले में स्वास्थ्य विभाग को मिले लक्ष्य में से करीब 67 प्रतिशत किशोरियों का टीकाकरण कार्य पूरा हो चुका है।

आरोग्य केन्द्र में प्राकृतिक चिकित्सा रोग निवारण शिविर

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

जो व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ समाज को भी स्वस्थ रहने की प्रेरणा देता है, ईश्वर उसे हमेशा निरोगी रखता है। यह उद्गार सिद्धभाऊ ने संत हिरदाराम योग एवं नेचर क्योर हॉस्पिटल (आरोग्य केंद्र) द्वारा आयोजित दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर के भव्य अनुभव समारोह के दौरान व्यक्त किए। सिद्धभाऊ ने कहा कि मानव जीवन अनमोल है। उन्होंने एक दोहे के माध्यम से समझाया– मानुष जन्म दुर्लभ है, मिले न बारम्बार, जो फल टूटा डाल से, फिर न लागे डार। उन्होंने कहा कि आप सभी भाग्यशाली हैं कि आपको यहाँ जीवन जीने का सही रास्ता मिला है। पहला सुख निरोगी काया है और जब मनुष्य स्वस्थ होगा, तभी वह ऊर्जावान और आनंदित रहकर जीवन के समस्त सुखों का उपभोग कर पाएगा। आरोग्य केंद्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि केंद्र का 169वां शिविर था। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से कुल 82 साधकों ने भाग लिया, शिविर के दौरान साधकों ने प्रातः जागरण से लेकर रात्रि विश्राम तक एक अनुशासित जीवनशैली अपनाई।

मेट्रो एंकर

विश्व धरोहर दिवस पर सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना में कार्यशाला आयोजित

विरासतों को अक्षुण्य और संरक्षित रखना सबकी जिम्मेदारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल के निशातपुरा क्षेत्र में स्थित सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना के प्रशासनिक भवन सभागार में मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे के मुख्य आतिथ्य में विश्व धरोहर दिवस मनाया गया। साथ ही हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

इस दौरान कारखाना की शॉपों, प्रशिक्षण संस्थानों एवं प्रशासनिक भवन परिसर में विभिन्न रोचक कार्यक्रम, संगोष्ठी, हैरिटेज गैलरी में वीडियो शो, प्रश्नमंच जैसे कार्यक्रम हुए। कारखाना उद्यान में हैरिटेज कोच की सुंदर एवं मनमोहक साज-सज्जा कर सार्वजनिक रूप से खोला गया। कार्यक्रम का आयोजन कारखाना के राजभाषा अनुभाग एवं ई. एन. एच. एम. अनुभाग ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रफुल्ल वी. कोहाडे ने आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि भारतीय रेल की अपनी समृद्ध एवं गौरवशाली विरासत रही हैं। इन विरासतों को अक्षुण्य एवं संरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान राजभाषा अनुभाग ने भारतीय रेल की विश्व धरोहरों का संरक्षण विषय पर विडियो क्लीप एवं पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति भी दी। राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके अधीन बनाए गए राजभाषा नियमों के उपबंधों के सही कार्यान्वयन के लिए कंप्यूटर एप्लिकेशनों एवं सॉफ्टवेयरों में यूनिकोड समर्थित फॉट के प्रयोग पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में कारखाना के समस्त विभागों के अधिकारी, शॉपों एवं अनुभागों के प्रभारी पर्यवेक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वैशाख शुक्ल पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 284 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 अप्रैल 2026 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
41.8 अधिकतम
27.8 न्यूनतम

Page-7

महिला आरक्षण पर विपक्ष के बेतुके तर्क और बीजेपी की दमदार दलीलें...

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

बारह साल के लंबे सियासी वनवास के बावजूद कांग्रेस 50 साल देश पर राज करने के सत्ता के नशे से मुक्त नहीं हो सकी है। इसके विपरीत सोलह साल सत्ता के केंद्र में रहने वाली बीजेपी आज भी विरोध की राजनीति के गुर नहीं भूली। बस यही है दुनिया की सबसे बड़ी लोकशाही का असली सच। कभी देश की सबसे बड़ी जन आधारित पार्टी रही कांग्रेस का सच । कांग्रेस का वैचारिक धुरी से भटकाव और विचारधारा पर कायम रहते हुए लोगों के मन में जगह बनाने वाली बीजेपी से उसका फर्क। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026 को नकारने का प्रसंग इसी कड़वी सच्चाई को बयां करता है। यही है देश की आधी आबादी यानी महिलाओं के हकों को खारिज करने वाली कांग्रेस के जनता की नब्ज से लगातार दूर होने की निशानी... ! कहानी सत्ता की सियासत से दूर छिटकने की .... ! कांग्रेस से दूर होते उसके अपने और उसे सत्ता से दूर करने वाले दलों की बैसाखियों के भरोसे ही दिल्ली की सता पर फिर काबिज होने के सपनों के चकनाचूर होने की दास्तान ..... !

जब जमीनी समझ की बुनियाद कमजोर हो तो हवाई किले की हसरत भला कैसे परवान चढ़ेगी? एक तरफ है एक परिवार को आगे रखने की खातिर विचारधारा को हाशिए में पटकने की कहानी। दूसरी ओर है जनता के अंतर्निहित भावों को समझने और उन्हें पकड़कर रखने की निरंतर प्रक्रिया के साथ मजबूती से डटे रहने का सफरनामा। यही बातें हैं जो कांग्रेस को देश के मर्म की समझ से दूर ले जा रही हैं और बीजेपी को दे रही, गहरी जड़ें जमाने का मौका । अगर पीछे मुड़कर देखें, तो महिला आरक्षण का सफर आसान नहीं रहा। पहली बार यह विधेयक 1996 में संसद में पेश हुआ। असहमति के कराण परित नहीं हुआ। साल 1998 और 1999 में भी इसे दोबारा लाया गया, पर हर बार लोकसभा के भंग होने के कारण सपना अधूरा रह गया। वर्ष 2008 में यह फिर संसद में आया । साल 2010 में राज्यसभा में पारित हुआ पर लोकसभा में अटक गया। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2023 में इसे नए रूप में पेश करते हुए सर्वसम्मति से पारित कराया। यह नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में संविधान के 106 वें संशोधन के बतौर जाना गया। मामूली बदलावों के साथ इसे विशेष सत्र के जरिए हाल में संविधान के 131 वें संशोधन के प्रस्ताव के साथ लाया गया। दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से ही इसे पास कराना मुमकिन था । इसके साथ में थे दो परिसीमन विधेयक जो साधारण बहुमत से पास कराए जा सकते हैं। कुल मिलाकर इसमें सीटों के शीघ्रता से निर्धारण का भाव निहित था।

इससे लोकसभा में बीते पचास सालों से जारी जड़ता टूटती। 550 सीटों का आंकड़ा भी (850 तक) बढ़ता और राज्यों की विधानसभाओं का आकार भी विस्तार लेता। लेकिन कांग्रेस के साथ ऐसे विपक्षी दलों का मजमा भी साथ हो गया जो कांग्रेस को कमजोर करके ही बढ़ा और खड़ा है। इनमें ममता बनर्जी की टीएमसी, बिहार में लालू परिवार की आरजेडी, उत्तरप्रदेश में मुलायम सिंह परिवार की समाजवादी और तमिलनाडु में करूणानिधि परिवार की डीएमके सहित कई दल हैं। नए कानूनों के लागू होने पर आधी आबादी की मजबूती से संभावित नुकसान की आशंका से उन्होंने इसे खारिज कर दिया।

आधी आबादी का हक... पक्ष-विपक्ष के तर्क और मंशा

- महिला आरक्षण कानून को खारिज करने को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित उनके साथ खड़े विपक्षी दल नरेंद्र मोदी की हार और उन्हें झुकाने का दावा कर रहे हैं।
- भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने कांग्रेस सहित तमाम परिवारवादी पार्टियों को नारी विरोधी साबित करने के लिए संसद से बाहर निकलकर उसे सड़कों पर लाने के लिए कमर कस ली है।
- यह कहना अतिरेक भरा होगा कि विपक्षी दल महिला आरक्षण के पूरी तरह खिलाफ हैं। लेकिन वह इसे अपने हिसाब से ही लागू कराने की जिद पर कायम है।
- नरेंद्र मोदी सरकार की भावना थी कि जब नारी आरक्षण देना है तो इसमें बेवजह की देरी क्यों हो? इसे अप्रैल 2029 के लोकसभा और उसके आसपास संभावित विधानसभा चुनावों से इसे लागू कर दिया जाए।
- कांग्रेस और उनके सहयोगी विपक्षी दलों के मन में एक अज्ञात भय से भरी सी आशंका है। कहीं इसका फायदा एनडीए को तो नहीं मिल जाएगा? कहीं उनकी अपनी बची खुची सियासी जमीन तो नहीं खिसक जाएगी?
- इसी के चलते नई जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन और आरक्षण की शर्त रखी।
- यानी विपक्ष का इरादा यही है कि वर्ष 1996 से लटकता यह मसला 2029 के आगे और लटके।
- एनडीए सरकार और उसके दो प्रमुख कर्णधार चाहते थे कि अभी उपलब्ध 2011 के आंकड़ों के आधार पर नारी वंदन अधिनियम नए स्वरुप के साथ पारित हो जाए और नए परिसीमन के साथ महिलाओं की लोकसभा और विधासभाओं में भागीदारी सुनिश्चित हो जाए।
- मोदी-शाह की दलील है कि 50 साल से लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों पर जारी बंदिश के चलते आबादी के अनुपात में सांसदों और विधायकों की नुमाइंदगी का खाका तहस नहस हो चुका है। वोटरों की संख्या में कई विषमताएं और विरोधाभास हैं, जिन्हें जल्द दूर करना जरूरी है।
- विपक्ष का तर्क (कुतर्क)है कि जातिगत जनगणना के आधार पर ही नई सीटों और 33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था हो। जबकि हकीकत यही है कि जातिगत जनगणना के बाद आरक्षण के बजाए 2011 के आधार पर महिलाओं को आरक्षण मिलने से कोई खास अंतर नहीं आने वाला।
- लोकसभा में मौजूदा 74 महिला सांसदों के बजाए 2029 के लोकसभा में संख्या 180 महिला सांसद हो जाती। प्रकारांतर से देखें तो अभी मौजूदा सांसदों में ओबीसी वर्ग की महिला सदस्यों भी ठीकठाक ही है। लेकिन ओबीसी और अनुसूचित जाति व जनजाति महिलाओं को भी आरक्षण निर्धारित 33 फीसदी में से ही मिलना है। यानि एससीएसटी महिलाओं पर इसके विपरीत असर की आशंका खारिज नहीं कर सकते।
- जब कांग्रेस के शशि थरूर जैसे थिंक टैंक समझे जाने वाले नेता यह कह रहे हैं कि महिला आरक्षण बिल को पास हो देना चाहिए था, तो शायद उन्हें संविधान के अनुच्छेद 82 का अंदाजा रहा होगा कि हरेक जनगणना के बाद परिसीमीन जरूरी है जो 2011 के बाद नहीं हुआ। राहुल गांधी और उनकी कॉकस मंडली यह बात क्यों समझ में नहीं आई?
- अब भाजपा जनांदोलन के बाद किसी दूसरे तरीके से इस महिला आरक्षण को 2029 से लागू करेगी तो तब शायद विपक्ष की मोदी और महिला विरोधी, उन दलों के संभावित नुकसान की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता तो जन के बजाए परिवार के दम पर खड़े हैं। बीते सालों में सामान्य समझ के लोग भी समझते हैं कि मोदी-शाह जो ठानते हैं उसे करके ही दम लेते हैं।
- विपक्ष शायद यह भूल बैठा है कि प्रत्याशी का चयन क्षेत्र विशेष के समीकरणों और जीत की संभावनाओं पर टिका होता है। शायद कांग्रेस और विपक्ष इसके लिए अभी मानसिक तौर पर तैयार नहीं था, जिसके चलते यह नौबत आई।

गुजरात-मुंबई, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

चारधाम यात्रा के पहले ही दिन 2 श्रद्धालुओं की मौत

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के पहले दिन दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मध्य प्रदेश से अपने पति के साथ उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम की यात्रा पर निकली महिला की घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई है। वहीं, पैदल मार्ग पर चढ़ाई के दौरान महाराष्ट्र से आए एक बुजुर्ग श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया गया बुजुर्ग श्रद्धालु को चढ़ाई के दौरान सांस लेने में गंभीर दिक्कत हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत जानकीचट्टी स्थित अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

टाइगर रिजर्व में भालू के हमले से बुजुर्ग की जान गई

सीधी। मध्य प्रदेश के संजय टाइगर रिजर्व से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मड़वास रेंज क्षेत्र के भजिगांव बीट में स्थित ग्राम नवनगर में लकड़ी काटने गए 3 लोगों पर अचानक भालू ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में 58 वर्षीय चंद्रबली सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर दौड़े और दोनों घायलों को इलाज के लिए पोंडी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

नेशनल हेराल्ड मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर हाईकोर्ट आज सुनवाई कर रहा है। याचिका ट्रायल कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया गया था। यह मामला न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ में है। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य पर आरोप हैं।

ऐसे में कैसे होगी बात... ईरान ने दी बड़े पलटवार की धमकी

अमेरिका ने जब्त किया ईरानी जहाज, शान्ति वार्ता पर संकट

गर्दन पर तलवार रखकर सुलह की चर्चा नहीं - ईरान

टॉस्का को कब्जे में लिया।

वाशिंगटन डीसी/तेहरान. एजेंसी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास तनाव चरम पर पहुंच गया है। यह हालात इसलिए बने हैं क्योंकि अमेरिकी नौसेना ने गल्फ ऑफ ओमान में एक ईरानी झंडे वाले कार्गो जहाज तौस्का पर गोलीबारी कर उसे जब्त कर लिया। जहाज अमेरिकी नौसेना की ब्लॉकेड को तोड़ने की कोशिश कर रहा था। इस घटना ने क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर युद्ध विराम को और कमजोर कर दिया है और पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर गहरा संकट छा गया है। इससे पहले अमेरिका पर अत्यधिक शर्तें थोपने का आरोप लगते हुए ईरान पाकिस्तान में होने वाली वार्ता से खुद को अलग करने की बात कह चूका है। अभी तक भी तय नहीं है की उसके प्रतिनिधि पाकिस्तान पहुंचेंगे या नहीं। ईरान का कहना है - एक ओर तो आप तलवार गर्दन पर रखकर चला रहे हैं, दूसरी ओर शांति वार्ता की मेज पर बिठा रहे हैं, ये नहीं चलेगा। ईरान का जहाज रोकने को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुद लिखा कि उनकी नौसेना ने तौस्का रुकने की उचित चेतावनी दी। ईरानी क्रू नहीं माना तो नौसेना ने उनके इंजन रूम में छेद कर उन्हें रोक दिया। अब यह जहाज यूएस मरीन्स की कस्टडी में हैं और देख रहे हैं कि उसमें क्या है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी इसकी पुष्टि की। जहाज ईरान के अब्बास बंदरगाह की ओर जा रहा था। ईरान की सेना ने राज्य मीडिया के माध्यम से चेतावनी दी है कि वह जल्द ही जवाबी कार्रवाई करेगी। ईरानी अधिकारियों ने इस घटना को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है।

अमेरिकी ब्लॉकेड मंजूर नहीं

सुलह वार्ता में कई प्रमुख अड़चनें हैं। ईरान के यूरेनियम स्टॉक पर नियंत्रण, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना और परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी मांगें इसमें सबसे अहम हैं। ईरान अमेरिकी ब्लॉकेड को युद्धविराम का उल्लंघन मान रहा है, जबकि अमेरिका का कहना है कि ईरान ने जहाजों पर फायरिंग कर समझौते का उल्लंघन किया। इस तनाव का वैश्विक प्रभाव साफ दिख रहा है। रविवार को तेल की कीमतों में फिर उछाल आया। ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी क्रूड दोनों में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बनेगी पूर्ण युद्ध की स्थिति !

पाकिस्तान वार्ताओं में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। पहले दौर की वार्ता में 21 घंटे की चर्चा के बावजूद कोई समझौता नहीं हो सका था। उपराष्ट्रपति वांस ने तब कहा था कि ईरान अमेरिकी शर्तों- खासकर परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता को मानने को तैयार नहीं है। अब नई घटना के बाद वार्ता की संभावनाएं धूमिल नजर आ रही हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। अगर युद्ध विराम नहीं बढ़ाया गया तो फिर से पूर्ण युद्ध की स्थिति बन सकती है।

जम्मू-कश्मीर में हादसा

खाई में गिरी यात्री बस, 15 की मौत

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में आज एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक यात्री बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 10 बजे हुई। बस जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रही थी। यह हादसा उधमपुर के रामबन-बनिहाल मार्ग पर हुआ। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और सेना के जवान भी मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

नारी शक्ति वंदन पर बीजेपी की जन आक्रोश यात्रा

कांग्रेस पर बेटियों की आने वाली पीढ़ी के साथ विश्वासघात का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संविधान संशोधन बिल पास न हो पाने के विरोध में बीजेपी ने आज भोपाल के एमवीएम ग्राउंड पर जन आक्रोश महिला पद यात्रा का आयोजन किया। यात्रा में करीब 30 हजार महिलाओं के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। इस अवसर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद रहे। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा- कि एक समय था, जब मां अपनी बेटियों से कहती थी कि तुम्हें घर में चौका-चूल्हा ही करना है। लेकिन, अब माताएं सोचती हैं कि बेटी पढ़ेगी और कुछ करके दिखाएगी। उन्होंने कहा कि आज बेटी लोकसभा-विधानसभा में जाकर कानून बनाने का काम भी कर सकती है। इस आशा को रोकने का काम कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने किया है। आने वाली पीढ़ी के साथ यह विश्वासघात है। मंच पर मंत्री कृष्णा गौर, निर्मला भूरिया, राधा सिंह आदि मौजूद रहीं।

इस साल की सबसे बड़ी मास शूटिंग की घटना

अमेरिकी युवक ने अपने 7 बच्चों समेत 8 की हत्या की, पत्नी को भी गोली मारी

लुइसियाना, एजेंसी

अमेरिका के लुइसियाना राज्य के श्रेवेपोर्ट शहर में एक शख्स ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक इनमें से 7 उसके ही बच्चे थे। अमेरिका में इस साल की यह सबसे बड़ी मास शूटिंग की घटना मानी जा रही है।

सीएनएन के मुताबिक यह घटना स्थानीय समय अनुसार रविवार सुबह 6 बजे वेस्ट 79वीं स्ट्रीट के 300 ब्लॉक में हुई। आरोपी का नाम शमार एल्किंस (31 साल) है। हमले में असॉल्ट-स्टाइल हथियार का इस्तेमाल किया गया। इसे घरेलू विवाद से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। इस हमले में 13 साल का लड़का भी घायल हुआ, जो जान बचाने के लिए घर से भागा और छत से कूद गया। मारे गए बच्चों में तीन लड़के और पांच लड़कियां थीं, जिनकी उम्र 3 से 11 साल के बीच थी। इनमें सात सगे भाई-बहन और एक उनका कजिन था। हमले में दो महिलाएं भी घायल हुईं, जिनमें से एक आरोपी की पत्नी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी को गोली मारी। इसके बाद वह दूसरे घर गया, जहां उसने आठ बच्चों और एक अन्य महिला को गोली मारी।

दूसरी महिला, जो मारे गए आठवें बच्चे की मां थी, उसकी हालत भी बेहद गंभीर बताई जा रही है। आरोपी मौके से भाग गया था। उसने बंदूक की नोक पर एक कार लूटकर भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा करने के दौरान पुलिस की गोली लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले 2019 में हथियार से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार हो चुका था। वह करीब सात साल तक लुइसियाना आर्मी नेशनल गार्ड में भी रहा।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर — बैसरन घाटी में सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के बीच बढ़ रही है पर्यटकों की संख्या

पहलगाम हमले की बरसी... फिर गुलजार हुआ अनंतनाग का 'मिनी स्विट्जरलैंड'

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर के पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले की पहली बरसी के मद्देनजर घाटी के पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस हमले में लश्कर के आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अधिकारियों ने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी की पूर्व संध्या पर, विशेष रूप से पर्यटन स्थलों के आसपास, किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के प्रति सतर्क रहने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि एक पुख्ता सुरक्षा योजना तैयार करने के लिए जमीनी स्तर पर प्रारंभिक बैठकें आयोजित की गईं, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में इन व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

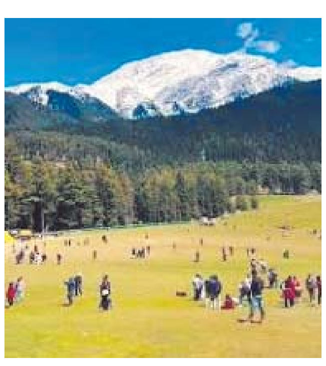

बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा किये गए हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए नृशंस हमले के कारण जम्मू कश्मीर से पर्यटकों का पलायन हुआ और अधिकारियों को करीब 50 पर्यटन स्थलों को बंद करना पड़ा और सुरक्षा ऑडिट के बाद उनमें से कुछ को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोला गया। उस हमले के करीब एक साल बाद बैसरन घाटी फिर पर्यटकों से गुलजार हैं, और अनंतनाग जिले में स्थित इस 'मिनी स्विट्जरलैंड' का दीदार करने के लिए आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है।

क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली

पहलगाम रिजॉर्ट में पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई नए उपाय लागू किए गए हैं। इनमें सेवा प्रदाताओं और विक्रेताओं, जिनमें पोनीवाले भी शामिल हैं, का आगंतुकों से संपर्क करने से पहले पूर्व सत्यापन शामिल है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक क्यूआर कोड-आधारित पहचान प्रणाली शुरू की गई है। यह प्रणाली पोनी की सवारी कराने वालों, फेरीवालों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के साथ-साथ बाहरी विक्रेताओं की आसान पहचान और सत्यापन को सक्षम बनाती है। अधिकारियों ने कहा, प्रत्येक सेवा प्रदाता की पुलिस द्वारा विधिवत जांच की जा रही है, अधिकारियों ने उनका पंजीकरण कराया है और उन्हें एक विशिष्ट क्यूआर कोड प्रदान किया गया है जिसमें उस व्यक्ति के बारे में व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण दर्ज हैं। पर्यटक अपने मोबाइल फोन से कोड को स्कैन करके संबंधित व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। क्यूआर कोड में सेवा प्रदाता का नाम, पिता का नाम, विस्तृत पता, मोबाइल नंबर, आधार संख्या, पंजीकरण संख्या, परिचालन मार्ग और पुलिस द्वारा सत्यापित होने या न होने की जानकारी शामिल होती है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वी के बर्डी ने हाल ही में समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि पर्यटकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों सहित संवेदनशील प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

आर्थिक स्थिरता की जरूरत

मिडिल ईस्ट में युद्ध के संकट के हल का दुनिया इंतजार कर रही है। खबरें हैं कि दोनों पक्ष बातचीत के लिए उत्सुक हैं। इसका असर वित्तीय बाजारों पर भी नजर आया है। अगर संकट जल्दी हल होता है तो विश्व अर्थव्यवस्था को बहुप्रतीक्षित स्थिरता मिलेगी और विभिन्न देश अपनी ढांचागत चुनौतियों से निपटने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। आईएमएफ के फिस्कल मॉनिटर में ऐसी ही चुनौती को रेखांकित किया गया है।

2025 में वैश्विक सकल सार्वजनिक ऋण बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 94 फीसदी हो गया। अनुमान बताते हैं कि यह 2029 में जीडीपी के 100 फीसदी तक पहुंच जाएगा। आखिरी बार यह स्तर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देखा गया था। बढ़ता हुआ वैश्विक सार्वजनिक ऋण देशों पर कई प्रकार के प्रभाव डालेगा, जिनमें भारत भी शामिल है। पश्चिम एशिया में लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष इस समस्या को और गंभीर बना देगा। आईएमएफ के आंकड़े दिखाते हैं कि उच्च ब्याज दरों पर ऋण का पुनर्वित्तीकरण करने वाली सरकारों ने पिछले कुछ वर्षों में ब्याज भुगतान में तेज वृद्धि देखी है, जो जीडीपी के 2 फीसदी से बढ़कर लगभग 3 फीसदी तक जा पहुंचा है। चूंकि आने वाले वर्षों में वैश्विक ऋण भंडार के बढ़ने की उम्मीद है, इसलिए ब्याज भुगतान और बढ़ सकते हैं।

ब्याज भुगतान में पूरे 1 फीसदी अंक की वृद्धि का मतलब है कि सरकारें सामूहिक स्तर पर विकास और प्रगति के क्षेत्रों में कम खर्च करेंगी, जिससे दीर्घकालिक वृद्धि क्षमता प्रभावित हो सकती है। कुछ देशों में सार्वजनिक ऋण में वृद्धि व्यापक वित्तीय और आर्थिक प्रभाव डाल सकती है। उदाहरण के लिए अमेरिका वर्तमान में जीडीपी के 7-8 फीसदी के बराबर सामान्य सरकारी बजट घाटा चल रहा है। अपने बाजारों, मुद्रा और सार्वजनिक ऋण की वैश्विक स्थिति को देखते हुए, अमेरिका में ढांचागत रूप से उच्च बजट घाटा वैश्विक बचत का बड़ा हिस्सा सोख लेगा, जिससे पूंजी प्रवाह और पूंजी की लागत पर सीधा असर पड़ेगा। यह भारत के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत चालू खाते का घाटा चलाता है और अपनी बचत-निवेश खाई को पाटने के लिए विदेशी बचत पर निर्भर करता है। इसे पूंजी के बहिर्गमन के कारण भुगतान संतुलन घाटे का सामना करना पड़ रहा है, जो रुपये पर दबाव डाल रहा है। हालांकि घरेलू बचत को अंतरराष्ट्रीय बचत से पूरक करना भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सामान्य माना जाता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक वातावरण यह संकेत देता है कि कुछ बुनियादी आर्थिक मान्यताओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। भारत को भी अपने बजट घाटे और ऋण को क्रमशः कम करने की आवश्यकता है। भारत के लिए बेहतर होगा कि वह ऋण और घाटे को तेजी से समेकित करे, जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों में नीतिगत प्रतिक्रिया के लिए जगह बने। एक ऐसी दुनिया में जो अधिक अनिश्चित और अप्रत्याशित होती जा रही है, हर समय व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतिगत स्थान होना महत्त्वपूर्ण है। भारत अगर विदेशी बचत पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है तो उसे अपने सामान्य सरकारी बजट घाटे को भी कम करने की आवश्यकता है। सरकार की बचत की मांग कम होने से निजी क्षेत्र के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे और पूंजी की लागत कम करने में मदद मिलेगी।

न्याय पालिका के विरुद्ध अरविन्द केजरीवाल के मोर्चे के घातक परिणामों की आशंका

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरह भारत के दो नेता - कांग्रेस के राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविन्द केजरीवाल हाल के वर्षों में संवैधानिक संस्थाओं - चुनाव आयोग , संसद , अदालत के निर्णयों को चुनौतियाँ देते हुए उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी , उनकी सरकार और पार्टी के विरुद्ध अभियान चलाते हुए अब सी बी आई , इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट (ई डी) की कार्रवाई के साथ न्याय पालिका के वरिष्ठ न्यायाधीशों पर भी पूर्वाग्रह , पक्षपात के आरोप लगा रहे हैं। मतलब वह जनता और दुनिया को बताना चाहते हैं कि न्याय पालिका पर भी भरोसा न किया जाए । यह एक बेहद खतरनाक अभियान है ।

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों दिल्ली उच्च न्यायालय में वकील के बजाय स्वयं पेश होकर न्यायाधीश के विरुद्ध दलीलें पेश करते हुए खूब प्रचार लूटा । यदि इसी मामले में उनकी ओर से कोई सामान्य वकील पेश होता , तो उसकी बातों का प्रचार नहीं हो सकता था । केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष शराब नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के लिए अपनी दलील पेश की। सीबीआई की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायाधीश के खिलाफ कई आपत्तियां उठाईं, जिनमें यह भी शामिल है कि उन्होंने पहले उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया था, मनीष सिसोदिया और के कविता सहित अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर राहत देने से इनकार कर दिया था, और साथ ही 'मजबूत और निर्णायक' निष्कर्ष भी दिए थे। यही नहीं बाद में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया । यह हलफनामा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका से संबंधित है, जिसमें केजरीवाल को इस मामले में बरी किए जाने को चुनौती दी गई है। अपने नए आवेदन में केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा से जुड़े हितों के टकराव की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश के बेटे और बेटी दोनों को केंद्र सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है, जो सीबीआई के माध्यम से इस मामले में पक्षकार है।

उन्होंने मामले की राजनीतिक संवेदनशीलता पर भी प्रकाश डाला और बताया कि वे एक प्रमुख विपक्षी नेता हैं जिनकी केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के कामकाज पर सर्वोच्च न्यायालय की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए, उन्होंने ऐसे मामलों में निष्पक्षता और निष्पक्षता के दिखावे दोनों के महत्व पर जोर देने के लिए 'पिंजरे में बंद तोता' मुहावरे का प्रयोग किया। उनका तर्क इस कानूनी सिद्धांत पर आधारित है कि पूर्वाग्रह की उचित आशंका भी न्यायाधीश को हटाने की मांग के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि ' न्याय न केवल होना चाहिए बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। '

एक सवाल उठता है कि सामान्य नियम परम्परा के अनुसार कई मामलों में स्वयं किसी प्रकरण या व्यक्ति से कोई पुराना सम्बन्ध होने पर अलग हट जाते रहे हैं । फिर प्रभावशाली केजरीवाल की तरह कोई सामान्य व्यक्ति अदालत में तारीखें या फैसला टलवाने के लिए जज की जाति , धर्म या किसी अन्य कारण बताकर जज को बदलने की मांग करने लगे , तब अदालत क्या सुनेगी ? सही बात तो यह है कि फैसले के बाद भी ऐसा आरोप लगाने पर अदालत की अवमानना के आधार पर सजा तक हो सकती है ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केजरीवाल के मामले से खुद को अलग करने के अनुरोध का विरोध करते हुए तर्क दिया कि इस तरह तो कई न्यायाधीश सरकारी मामलों की सुनवाई करने के लिए अयोग्य होने लगेंगे । एजेंसी के वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि ऐसे दावे कानूनी रूप से निराधार हैं और सम्पूर्ण न्यायिक व्यवस्था को बाधित कर सकते हैं। निश्चित रूप से देश की अदालतों में नियुक्त होने वाले हर जज की छात्र जीवन से लेकर पारिवारिक पृष्ठभूमि रहती है । उनके माता पिता , भाई बहन , पति पत्नी , मित्र किसी न किसी कार्य , संस्था , व्यवसाय , राजनीतिक संगठन से जुड़े हो सकते हैं । उच्च न्यायालय के जज तो एक लम्बे क़ानूनी अनुभव के बाद नियुक्त होते हैं । उस दौरान वे किसी संस्था के सार्वजनिक कार्यक्रम में भी जाते रह सकते हैं । यों पिछले पचास साठ साल में कई वरिष्ठ जज न केवल राजनीतिक पार्टी से आए , पार्षद , विधायक अथवा सांसद रहे या कई वर्ष जज रहने के बाद सांसद बन गए । तो क्या उन सबके कामकाज और फैसलों पर राजनीतिक पूर्वाग्रह के आरोप लगाए जा सकते थे या लगाए जा सकते हैं ?

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। परंतु समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या न्यायपालिका वास्तव में पूरी तरह राजनीति से मुक्त रही है? पिछले 70 वर्षों में कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां न्यायाधीशों का राजनीति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध देखा गया। न्यायपालिका ने कई बार अपनी स्वतंत्रता सिद्ध की है, परंतु राजनीति से उसके संबंधों ने बार-बार सवाल खड़े किए हैं। आपातकाल में न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव दिखाई दिया । जस्टिस ए एन रे को वरिष्ठता को दरकिनार कर मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। जस्टिस बहरुल इस्लाम पहले कांग्रेस के सांसद रहे , फिर न्यायाधीश और फिर पुनः राजनीति में आ गए । यह भारतीय न्यायिक इतिहास का एक अनोखा और विवादास्पद उदाहरण है।जस्टिस विजेंद्र जैन मेरे भी मित्र थे। न्यायाधीश बनने से पहले वे कांग्रेस पार्टी के नेता रहे और उन्होंने दिल्ली नगर निगम के पार्षद के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने वकालत शुरू की । फिर दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त हुए और कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की और ऐतिहासिक फैसले भी दिए । हाल के वर्षों में भी रिटायर होने के बाद कुछ बड़े न्यायाधीश सांसद या राज्यपाल भी बने । राजनीतिक विवादों के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका सीमित हुई और कोलेजियम प्रणाली शुरू हुई। लेकिन तब परिवारवाद और पक्षपात के आरोप स्वयं कानूनविद लगाने लगे । लेकिन आरोपी ही जज तय करने लगेंगे तब न्याय व्यवस्था का क्या होगा ? केजरीवाल ने अपनी याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद (एबीएपी) के साथ उनके वैचारिक जुड़ाव की संभावना की ओर इशारा किया था, जो वकीलों का एक संगठन है जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध माना जाता है। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा से अपने मामले से हटने की मांग करते हुए पक्षपात की आशंका जताई और कहा कि उनकी अदालत में सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों के विश्लेषण से पता चलता है कि केवल दो मामले ऐसे हैं - जिनमें से एक उनका अपना है और दूसरा भाजपा के एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी से संबंधित है - जिनमें अदालत मामलों की सुनवाई तेजी से कर रही है।केजरीवाल ने राजनीतिक आधार पर पक्षपात की आशंका जताते हुए, साथ ही सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर भी अपनी आशंका व्यक्त की, और कहा कि वह 'इस अदालत के हितों के टकराव को दर्शाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर इस अदालत के पक्षपात से बुरी तरह प्रभावित हैं और इसकी आशंका जताते हैं।

दूसरी तरफ दिल्ली उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार , न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा, जिनका न्यायिक करियर तीन दशकों से अधिक का है, ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में बीए (ऑनर्स) किया था, जहां उन्हें दौलत राम कॉलेज में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्रा घोषित किया गया था।1991 में उन्होंने एलएलबी की डिग्री हासिल की और 2004 में एलएलएम की उपाधि प्राप्त की। न्यायमूर्ति शर्मा के पास मार्केटिंग मैनेजमेंट, विज्ञापन और जनसंपर्क में डिप्लोमा भी है।मार्च 2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले, वह राउज़ एवेन्यू कोर्ट में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) थीं। नवंबर 2019 में, उन्हें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (उत्तरी जिला) नियुक्त किया गया था।पिछले साल, उन्हें 'न्यायिक शिक्षा के माध्यम से न्याय की संवैधानिक दृष्टि को प्राप्त करना: यूके, यूएसए, सिंगापुर और कनाडा में सर्वोत्तम प्रथाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक वाले उनके डॉक्टरेट शोध प्रबंध के लिए पीएचडी से सम्मानित किया गया था।न्यायमूर्ति शर्मा ने अपने कॉलेज के दिनों में वाद-विवाद और विभिन्न सह-पाठ्यक्रम एवं अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किए। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दो वर्ष तक राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक के रूप में सेवा पूरी करने के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया था।सभी स्तरों पर उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड वाली एक ऊर्जावान छात्रा, उन्होंने 24 वर्ष की आयु में एक मजिस्ट्रेट के रूप में न्यायपालिका में प्रवेश किया और 35 वर्ष की आयु पूरी होने पर सत्र न्यायाधीश बन गईं।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कई पुस्तकें भी लिखी हैं। उनकी पहली पुस्तक, 'डोंट ब्रेक आफ्टर ब्रेक-अप', उन महिलाओं को मार्गदर्शन प्रदान करती है जिन्होंने अविवाहित रहने का विकल्प चुना है या जिन्होंने कठिन ब्रेक-अप का अनुभव किया है। 'बियॉन्ड बागबान' वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सामना की जाने वाली भावनात्मक और वित्तीय चुनौतियों का विश्लेषण करती है, जबकि 'तुम्हारी सखी' महिलाओं को उनके अधिकारों और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के महत्व के बारे में जागरूक करने का प्रयास करती है।अपनी चौथी रचना, 'लव फुल सर्कल' के साथ, न्यायमूर्ति शर्मा ने कथा लेखन में कदम रखा, जबकि 'न्यायिक शिक्षा - न्याय की संवैधानिक दृष्टि को प्राप्त करना' न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और न्यायाधीशों को न्याय की संवैधानिक दृष्टि को साकार करने में मदद करने पर विस्तार से चर्चा करती है। इतने अनुभव और न्यायिक अनुभव वाली सम्मनित न्यायाधीश पर पक्षपात के आरोप क्या उचित कहे जा सकते हैं ? जबकि केजरीवाल के शराब नीति घोटाले पर जांच एजेंसियों और उच्च अदालतों में कई गंभीर आरोपों के सबूतों पर भी सुनवाई कार्रवाई जारी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग, इनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

अमेरिका की समाज व्यवस्था व्यक्तिवादी है। संयुक्त परिवार व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में रहने वाले तमाम भारतवासी हमारे परिचित हैं। वे अपने पुत्रों के किस्से सुनाते हुए भावुक हो जाते हैं। आँखें छलछला जाती हैं। ताजा घटना ने मुझे मर्माहत किया है। मेरे एक मित्र के दोनों पुत्र परिवार सहित अमेरिका में कार्यरत हैं। जीवन के अंतिम दिनों में पत्नी के साथ अकेले रह गए। बीमारी के समय न तो संतानें साथ थीं और न उचित देखभाल का सहारा मिला। निधन के उपरांत एक पुत्र और दूसरे की पत्नी औपचारिक रूप से आए। किंतु अंतिम संस्कार तक में वह श्रद्धा परंपरा का भाव नहीं। अस्पताल से सीधे श्मशान ले जाकर बिना विधि-विधान के अंत्येष्टि कर दी गई। घर तक लाना आवश्यक नहीं समझा गया। घटना बदलते पारिवारिक मूल्यों और वृद्धों की उपेक्षा का मार्मिक उदाहरण है।

मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करती। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है। वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है लेकिन समाज इस महत्वपूर्ण समस्या पर सजग व सतर्क नहीं है।

भारतीय समाज जीवन संयुक्त परिवारों में विकसित हुआ है। ऐसे परिवारों के सुख-दुख साझा रहे हैं। वृद्ध अपने बड़े परिवारों में आनंदित रहते हैं लेकिन अब संयुक्त परिवारों की परंपरा टूट गई है। सब एकाकी रहना चाहते हैं। वृद्ध अकेले हो रहे हैं। वे उपयोगी नहीं माने जाते। वे अशक्त हैं। आधुनिक उपयोगितावाद के कारण वृद्धावस्था के शारीरिक कष्टों में अब मानसिक संताप भी जुड़ गए हैं। ज्यादातर वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाएं कुचालक हो रही हैं। सभी प्राणी काल के भीतर है। मनुष्य भी। जन्म और शैशव ऊषाकाल है। बचपन संभावनाओं का बीज है। संभावना का बीज फूटता है। जीवन ऊर्जा से भरी-पूरी तरूणाई आती है। तरूणाई भी स्थिर नहीं है। 40-50 शरद् पूर्णिमा आई, गई। जीवन का संध्या काल आया। ऊर्जा घटी, शरीर टूटा। प्राचीन कवि बता गए है-शीर्यते इति शरीरं। जो शीर्ण होता रहता है, वह शरीर है। शरीर सतत् क्षरणशील है। 60 वर्ष के आसपास आ जाती है वृद्धावस्था। आयुर्वेद के ग्रंथ शारंगधर संहिता में मनुष्य शरीर के क्षरण का सुंदर उल्लेख है। लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी वाल्यावस्था का ह्रास होता है। फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। वृद्धि रूक जाती है। फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति चेहरे की दीप्ति का ह्रास, फिर आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है। '

अधिकांश वृद्ध माता-पिता जीवन की सांझ में निराश हैं। पुत्र अपने काम में व्यस्त हैं। माता-पिता अकेले हैं। कुछेक को दवा-भोजन मिलता है लेकिन प्रेम नहीं। उन्हें वृद्धावस्था में संरक्षण की जरूरत है। लेकिन कमाऊ पुत्र डांट रहे हैं, वृद्ध व्यथित हैं। सरकारें वृद्धाश्रम बना रही हैं। यह राष्ट्रव्यापी समस्या है। इसका उपचार प्राचीन संस्कृति और वैदिक सभ्यता है। भारत के अपने इतिहास में माता-पिता के आदर व श्रद्धा वाला संस्कारी समाज था। वैसा ही संस्कारी समाज बनाने के लिए माता-पिता का संरक्षण पाना और वृद्धावस्था में उन्हें संरक्षण देना कोई बड़ा काम नहीं है। यह सांस्कृतिक प्रश्न है। सामाजिक प्रश्न है और पारिवारिक आनंद की प्राप्ति का मार्ग भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

जीवन में इतनी तेजी से आगे दौड़ों की लोगों के बुराई के धागे आपके पैरों में आकर टूट जाए।
–अज्ञात

निशाना

हम गैरों का दर्द..!

महेश अग्रवाल

वो पग- पग पर शूल बिछाकर खुश हो जाते हैं ।
हम फूलों की गंध लुटाकर खुश हो जाते हैं।
लोग अंधेरे में अंधियारों को कोसा करते।
हम मिट्टी का दीप जलाकर खुश हो जाते हैं।
वो मेवा का भोग लगाते सेवा के बदले।
हम मेहनत की रोटी खाकर खुश हो जाते हैं।
क्या-क्या करते लोग जरा से सुख की चाहत में
हम तो दुख से हाथ मिलाकर खुश हो जाते हैं ।
वो बच्चों का दिल बहलाते महंगी चीजों से।
हम बातों से दिल बहला कर खुश हो जाते हैं।
वह जो खाते उससे ज्यादा फेंक दिया करते।
कुछ उनकी जूठन खाकर ही खुश हो जाते हैं।
वो खुद का यश गान किया करते हैं भाषण में।
हम गैरों का दर्द सुना कर खुश हो जाते हैं।

स्कैम अलर्ट

एयरटेल यूजर्स के लिए खास फीचर, लूट नहीं सकेंगे स्कैमर्स, कॉल के दौरान करेगा सावधान

कितना अच्छा हो अगर फ्रॉड कॉल के दौरान आपको कोई चौकन्ना रहने की सलाह दे दे? संभव है कि इससे कॉल पर होने वाले डिजिटल फ्रॉड काफी कम हो जाएंगे। इसी सोच पर आधारित एयरटेल ने खास फीचर पेश किया है। यह फीचर स्पैम डिटेक्शन से अलग कॉल के दौरान आपको फ्रॉड से बचाने की कोशिश करेगा। कॉल के दौरान यह OTP आने जैसी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगा और यूजर की स्क्रीन पर अलर्ट दिखाएगा कि उन्हें OTP जैसी संवेदनशील जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं करनी है।

क्या आप भी डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों की वजह से अनजान नंबरों से आने वाले कॉल उठाने से डरते हैं? अगर हां, तो बता दें कि एयरटेल ने एक बेहद काम का फीचर पेश किया है। यह फ्रॉड कॉल के दौरान आपको चेतावनी देगा और स्क्रीन पर अलर्ट मैसेज दिखाएगा। इस फीचर का मकसद उस समय यूजर की मदद करना है, जब कोई स्कैमर आपसे जानकारी चुराने की कोशिश कर रहा हो। यह सिस्टम कॉल के दौरान आपके फोन पर आने वाले किसी भी तरह के OTP पर नजर रखता है। गौरतलब है कि यह फीचर कॉल पर होने वाली ठगी के पैटर्न को तोड़ता है, जिसमें आमतौर पर कॉल के दौरान टार्गेट से उसका OTP जानने की कोशिश की जाती है। इस फीचर का फायद एयरटेल यूजर्स को मिलेगा।

कॉल के दौरान AI देगा पहरा: एयरटेल ने यूजर्स की सुरक्षा के लिए जो नया फीचर पेश किया है, वह सामान्य स्पैम डिटेक्शन से बिलकुल अलग है। नॉर्मल स्पैड डिटेक्शन फीचर कॉल आने से पहले चेतावनी देता था लेकिन एयरटेल का नया सिस्टम इन-कॉल यानी कि बातचीत के दौरान एक्टिव रहता है। इस सिस्टम को अगर कॉल के दौरान किसी संदिग्ध गतिविधी की खबर लगती है, वह तुरंत आपको एक मैसेज स्क्रीन पर दिखाता है। यह मैसेज उस पैटर्न को तोड़ता है, जिसमें यूजर से ठगी करने वाले संवेदनशीन जानकारी निकलवा लेते हैं। यह फीचर यूजर को याद दिलाता है कि किसी के भी साथ OTP जैसी जानकारी शेयर नहीं करनी है। यह फीचर कॉल को ब्लॉक नहीं करता, बल्कि आपको सही फैसला लेने के लिए जागरूक बनाता है।

स्कैमर्स का जाल तोड़ेगी टेक्नोलॉजी: ऐसा देखा गया है कि फोन पर होने वाली डिजिटल धोखाधड़ी में स्कैमर्स यूजर्स को जल्दी फैसला लेने के लिए मजबूर करते हैं। इस तरह की धोखाधड़ी में स्कैमर्स यूजर के मन में डर या जल्दबाजी पैदा कर देते हैं। बैंक अधिकारी या पुलिस बनकर वे चंद सेकंड में ओटीपी मांगते हैं। एयरटेल के नए फीचर काम यूजर को जल्दबाजी में फैसला लेने से रोकना है। कॉल के बीच में आया एक छोटा सा मैसेज भी यूजर को संभलने का मौका देता है। यह फीचर खास तौर पर उन स्थितियों के लिए बनाया गया है जहां एक छोटी सी चूक बैंक खाता खाली करवा सकती है।

वायरल कंटेंट

500 रु ले गोवा पहुंची लड़की, उधार लेकर बुक किया होटल, शेयर किया सोलो ट्रिप का अनुभव

सोशल मीडिया पर एक लड़की ने अपनी गोवा की सोलो ट्रिप जर्नी लोगों के साथ शेयर की। लड़की ने बताया कि वो मात्र पांच सौ रुपए लेकर गोवा ट्रेन से पहुंची है। इतने से पैसों में उसकी सोलो ट्रिप कैसी रही, ये एक्पीरिएंस वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया इन दिनों बजट ट्रिप और सोलो एडवेंचर की कहानियों से भरा पड़ा है। ऐसी ही एक दिलचस्प और प्रेरणादायक कहानी इंस्टाग्राम यूजर @amenabootwala की है, जिसका गोवा सोलो ट्रिप अनुभव वायरल हो रहा है।

लड़की ने बताया कि वह सिर्फ 500 रुपये लेकर ट्रेन से गोवा पहुंची। इतने कम पैसे में यात्रा करना आसान नहीं था, लेकिन उसने दोस्त से उधारी मांगकर होटल बुक किया और अपनी अकेली यात्रा को सफल बनाया। यह स्टोरी युवाओं के बीच खूब चर्चा में है क्योंकि यह दिखाती है कि सोलो ट्रिप के लिए बहुत ज्यादा पैसों की जरूरत नहीं, बस हिम्मत और प्लानिंग काफी है।

ऑनलाइन शेयर की जर्नी: @amenabootwala ने अपनी रील्स सीरीज में पूरी जर्नी शेयर की। पहले दिन की पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'Reached Goa safely, hostel pohoch gayi.' वीडियो में दिख रहा है कि कैसे कम बजट में उन्होंने ट्रेन यात्रा की, गोवा पहुंचकर होस्टल सेटल हुई और फिर लोकल जगहों पर घूमने निकली। उन्होंने खुलासा किया कि शुरुआत में सिर्फ 500 रुपये थे, जिससे ट्रेन का खाना और छोटे-मोटे खर्च निकले। होटल या होस्टल बुकिंग के लिए दोस्त से पैसे उधार लिए गए। इसके बावजूद लड़की ने गोवा के बीच, फोर्ट, लोकल फूड और नाइट वाइब्स का मजा लिया।

सोलो ट्रिप की चुनौतियां और मजा: सोलो ट्रिप पर जाने वाली लड़कियों को अक्सर सुरक्षा, बजट और अकेलेपन की चिंता होती है। @amenabootwala ने इन सबका सामना करते हुए अपनी स्टोरी शेयर की। उन्होंने बताया कि गोवा पहुंचते ही होस्टल ढूंढना और सेटल होना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन लोकल लोगों की मदद से सब आसान हो गया। कम पैसे में उन्होंने स्ट्रेट फूड, लोकल बस या वॉकिंग से घूमना चुना। कुछ जगहों पर फ्री या बहुत कम खर्च वाली एक्टिविटीज जैसे बीच वॉक, सनसेट देखना और स्ट्रीट फूड ट्राई करना शामिल रहा। वीडियो में लड़की ने मजाकिया अंदाज में कहा कि '500 रुपये और गोवा वाला अट्टीट्यूड लेकर' यात्रा की। कई यूजर्स ने कमेंट में लिखा, 'बहुत इंस्पायरिंग, मैं भी प्लान कर रही हूं.' कुछ ने पूछा कि इतने कम बजट में कैसे मैनेज किया, तो जवाब में लड़की ने टिप्स भी शेयर किए। लड़की ने बताया कि पहले से ट्रेन टिकट बुक करना, होस्टल चुनना, लोकल ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करना अनावश्यक खर्च से बचाता है।

पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखें, प्याऊ तथा पशु-पक्षियों के लिए सकोरे करें स्थापित: कलेक्टर

युवाओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने बनाएं विस्तृत कार्ययोजना

नर्मदापुरम।दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने समय सीमा बैठक में विभागीय योजनाओं, अभियानों एवं प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों को कार्यों में गति लाने एवं 10 दिनों में लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने, सार्वजनिक प्याऊ लगाने एवं पशु-पक्षियों के लिए सकोरे स्थापित करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को जल जीवन मिशन के तहत सभी योजनाओं से पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। दो दिनों में नीर-पखेरू अभियान शुरू करने एवं एमपीईबी को बिना बाधा बिजली सप्लाई बनाए रखने के आदेश दिए।

जिले में 96% से अधिक वैक्सीनेशन होने पर शेष 100% लक्ष्य तीन दिनों में हासिल करने के निर्देश दिए। सिवनी मालवा ब्लॉक में 11त्न शेष होने पर एसडीएम व बीएमओ से समन्वय कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

खेल गतिविधियों को बढ़ावा

कलेक्टर नें युवाओं में खेल को प्रोत्साहित करने जिला खेल अधिकारी उमा पटेल को तैराकी, स्केटिंग, बैडमिंटन आदि के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया। उपयुक्त स्थानों का चिन्हांकन कर सुविधाएं विकसित करने को कहा।

सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई

कलेक्टर नें सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर नॉन-अटेंडेड पर जुर्माना लगाने के सख्त निर्देश। सी-डी कैटेगरी वाले अधिकारियों पर कार्रवाई व जनसुनवाई को जिला-विकासखंड स्तर पर नियमित आयोजित करने को कहा। इनके अलावा कलेक्टर नें राजस्व विभाग को आरसीएमएस एवं लोक सेवा गारंटी प्रकरण समयबद्ध निस्तारित करने, विभागीय बैठकें नियमित आयोजित करने को निर्देश दिए है। कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस इंडिकेटर्स, हाईकोर्ट प्रकरणों की गंभीर समीक्षा पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर अनिल जैन उपस्थित रहे।

हत्या के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर किया हमला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नाहरकोला में रविवार रात एक शादी समारोह में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शराब के नशे में अमर सिंह कीर और उसके बेटे लोकेश ने चाकू से हमला किया, जिसमें दौलत कीर की मौत हो गई और 6 लोग घायल हुए।

जानकारी के अनुसार रामनारायण के भतीजे की शादी के दौरान अमर सिंह शराब पीकर पहुंचा। रामनारायण ने उसे खाना खाने को कहा, तो वह भड़क गया और मैं भूखा हूं क्या बोलकर चला गया। कुछ देर बाद अमर डंडे और लोकेश चाकू लेकर लौटा, जिससे झगड़ा भड़क गया। दूल्हे के चाचा हरिनारायण सहित बीच-बचाव करने वालों पर चाकूबाजी हुई। दौलत को गंभीर चोट लगी, जबकि रामनारायण, जयनारायण और क्षमा कीर समेत अन्य घायल हुए। सभी को नर्मदापुरम जिला अस्पताल रेफर किया गया। रात 1 बजे थाना प्रभारी केएन रजक, प्रधान आरक्षक सुनील, ओम जाट और दीपक आरोपियों को पकड़ने पहुंचे। आरक्षक ओम जाट ने एक आरोपी को पकड़ा, तो उसने ओम के पेट, हाथ और पैर में 9 जगह चाकू मारे। ओम गंभीर रूप से घायल हुए, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। आरोपी भाग निकला। एसपी सांई कृष्णा एस थोटा, एएसपी और एसडीओपी रात में ही मौके पर पहुंचे। एसपी ने बताया कि बाप-बेटे ने शादी में चाकूबाजी की, जिसमें एक की मौत और कई घायल हुए। पुलिस पर हमले के बाद हत्या और हत्या के प्रयास के दो केस दर्ज किए गए। आरोपियों की तलाश में टीमें गठित हैं।

पंडित पूर्णानंद शर्मा ने सात फेरे करवाए और शहर काजी अब्दुल रशीद ने निकाह पढ़वाया

152 विवाह और 47 निकाह हुए, प्रत्येक युगल को मिली 49 हजार की सहायता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी के बेगमबाग स्थित नीलामी परिसर में रविवार को दिनभर सरकारी शादियों का उल्लास दिखाई दिया। मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह एवं निकाह सम्मेलन में सहभागिता के लिए लोगों का आने का सिलसिला सुबह 7 बजे से ही शुरू हो गया था। विधायक उमाकांत शर्मा लगातार 3 दिन से इस आयोजन की मानिटरिंग कर थे और इसका असर भी दिखाई दिया। आयोजन स्थल की सजावट और व्यवस्था देखने लायक थी। विभागीय अधिकारी खुद सुबह से ही आयोजन स्थल पर डटे रहे। पंचायत सचिवों और रोजगार सहायको द्वारा दुल्हा-दुल्हन का पंजीयन किया जा रहा था। इस पंजीयन के बाद वे सीधे अपने लिए निर्धारित वेदी स्थल अथवा निकाह स्थल पर पहुंच रहे थे। दुल्हा-दुल्हन के आने का क्रम सुबह 11 बजे तक चलता रहा। इस बीच पंडित पूर्णानंद शर्मा के मार्गदर्शन में पूजन एवं हवन का क्रम शुरू हो गया। जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीरसिंह यादव इस पूजा में आहुति देने बैठी थीं। वहीं निकाह की प्रक्रिया शहर काजी अब्दुल रशीद ने सम्पन्न करवाई। इस दौरान 152 विवाह और 47 निकाह सम्पन्न हुए। निकाह के 48 आवेदन जमा हुए थे लेकिन इनमें से एक निकाह सुबह ही केंसिल हो गया। यह जानकारी शहर काजी ने एसडीएम को दी।

कम संख्या में हुआ पैर पूजा और अन्य रस्मों का निर्वहन

इस बार विवाह आयोजन में पहुंचे युगल और उनके परिजनों द्वारा वैवाहिक रस्मों को लेकर ज्यादा रूचि नहीं दिखाई गई। हिन्दू विवाह में सात फेरों की रस्म के बाद दुल्हा-दुल्हन की पैर पूजा की रस्म होती है लेकिन आयोजन स्थल कुछ युगलों के परिजनों ने ही ये रस्म निभाई। सूत्र बताते हैं कि आयोजन में आने वाले अधिकांश युगलों के विवाह आगामी तारीखों में होना है। आयोजन में वे केवल मुहं दिखाने के लिए आए थे।

नहीं आए जिले के अधिकारी

सम्मेलन जिला स्तरीय था। जिले के सभी विकासखंडो के युगलों का इसमें विवाह हुआ। इसके बाद भी जिले का कोई भी अधिकारी आयोजन में सहभागिता करने के लिए नहीं आया। सिरोंज एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा और जनपद सीईओ आशीष अग्रवाल ने ही पूरी व्यवस्था को देखा और संभाला।

गर्मी ने सताया तो हाथ के पंखे बने सहारा

प्रशासन द्वारा नीलामी परिसर में बने टीनषेड के नीचे 152 हिन्दू युगलों के 7 फेरों के लिए वेदी बनाई गई थी और यहीं पर सबसे अधिक भीड़ थी। हालांकि प्रशासन द्वारा आयोजन स्थल पर कूलर का प्रबंध किया गया था लेकिन वे नाकाफी साबित हुए। दुल्हा-दुल्हन को गर्मी लगी तो परिजन ही हाथ पंखों से उन्हें हवा करते दिखाई दिए। गर्मी से निजात पाने के लिए लोगों ने कोल्ड ड्रिंक का सहारा भी लिया।

भोजन के 10-10 पैकेट

विधायक उमाकांत शर्मा ने पूर्व में हुए कार्यक्रमों से सबक लेकर इस बार भोजन व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए थे। इसका असर इस बार दिखाई दिया। प्रशासन द्वारा आयोजन स्थल पर ही भोजन बनवाकर पैकेट तैयार करवाए गए। खुद सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी इस व्यवस्था में जुटे रहे। पंजीयन के बाद दुल्हा और दुल्हन पक्ष को भोजन के 10-10 पैकेट वितरित किए गए।

12 बजे तक सम्पन्न हो गए थे फेरे

विवाह प्रक्रिया को लेकर प्रशासन बेहद जल्दबाजी में दिखाई दिया। पूजन और हवन के बाद तुरंत ही 7 फेरों की प्रक्रिया शुरू करवा दी गई। अधिकांश युगल 7 फेरों की इस प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति ही करते दिखाई दिए। दोपहर 12 बजे तक फेरों की प्रक्रिया पूरी हो गई और इसके बाद प्रशासन ने मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत कर दी। विधायक हरिसिंह सप्रे, जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीरसिंह यादव और नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने सभी युगलों को 49 हजार रु का सांकेतिक चेक और प्रमाण पत्रों का वितरण किया। हालांकि अधिकांश युगल को वेदी स्थल पर पहुंचकर नपा कर्मचारी ज्योति दुबे, जयकुमार नामदेव, राहुल मैना और अंकुर शर्मा ने प्रमाण पत्र सौंपे।

गंजबासौदा में निकला भव्य चल समारोह

अक्षय तृतीया पर गूंजे जय परशुराम के जयकारे, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जन्मोत्सव अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। भगवान परशुराम जयंती पर नगर जय परशुराम के जयकारों से गूंज उठा। रविवार को सिरोंज चौराहा स्थित नौलखी धर्मशाला में भगवान परशुराम जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं अभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात नौलखी धर्मशाला से वेदनखेड़ी तक नगर के प्रमुख मार्गों से होकर भव्य चल समारोह निकाला गया। शोभायात्रा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। चल समारोह के दौरान भक्तों ने जयकारे लगाए और भगवान परशुराम के आदर्शों को स्मरण किया। चल समारोह का समापन वेदनखेड़ी स्थित स्थल पर भगवान परशुराम जी की भव्य आरती के साथ हुआ। आयोजन में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता रही।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव से पहले निकाली रैली

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर विप्रसमाज ने रविवार को शहर में वाहन रैली का आयोजन किया। जिसमें समाजजनों का उत्साह देखते ही बना। यह रैली सर्व ब्राह्मण महापंचायत सिरोंज एवं राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी सिरोंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। शाम करीब 5 बजे रैली का शुभारंभ श्री रामलला मंदिर से हुआ,जो नगर के छत्री चौराहा, लिंक रोड, हाजीपुर, पुराना बस स्टैंड, कोर्ट गेट, चांदनी चौक, सर्राफा बाजार और कठली बाजार से होकर वापिस रामलला मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में विप्र समाजबंधु मौजूद थे।

इस दौरान भगवा ध्वज और भगवान परशुराम के जयघोष और धार्मिक उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रैली के दौरान उपस्थित समाजजनों ने भगवान परशुराम जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाजहित में एकजुट रहने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि इस वाहन रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, संगठन और धर्म जागरण का संदेश प्रसारित करना है। विप्र समाज द्वारा सोमवार को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा भी शहर में निकाली जाएगी। जो दोपहर 2 बजे हाजीपुर स्थित प्राचीन नागेशवर मंदिर से शुरू होकर प्राचीन रामलला सरकार मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी।

अवैध रेत कार्रवाई से बौखलाए माफिया, सर्वेयर को दी धमकी

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल में खनिज माफिया के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई से नाराज लोगों ने जिला खनिज कार्यालय पहुंचकर सर्वेयर समय लाल गुप्ता को धमकाया। सिंहपुर क्षेत्र में बिना अनुमति रेत ले जा रहे वाहन की जप्ती के बाद यह विवाद हुआ। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के मल्दा से फर्जी टीपी पर रेत लाई जा रही थी। कार्यालय में बहस, वीडियो बनाने और दबाव बनाने की कोशिश हुई। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति संभाली। घटना ने अधिकारियों की सुरक्षा और माफिया पर नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेट्रो एंकर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने ली राजस्व की बैठक

संपत्तिकर एवं जलकर की वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

गत दिवस को मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा नगर में टेक्सेशन प्रक्रिया को सुदृढ़ रखने के लिए नगरपालिका की राजस्व शाखा के समस्त अधिकारी कर्मचारियों की बैठक ली गई। बैठक में सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिकतम संपत्तिकर एवं जलकर की वसूली के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी वार्ड प्रभारी अपने वार्ड में संचालित गन्ना चरखी दुकानों से संपर्क कर अनुमति राशि प्राथमिकता से जमा कराएं। जलकर की वसूली हेतु विशेष अभियान चलाकर अवैध एवं अमृत योजना के नल कनेक्शन की वैद्यीकरण की कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया गया। बैठक में कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, राजस्व निरीक्षक हरीश गोस्वामी, सहायक राजस्व निरीक्षक शेख अकवर, दाताराम सगर, सुनील अवस्ती, दिलावर बेग, शैलेंद्र साहू, राजेश दीवान, मयंक चौबे, राजकुमार, दुर्गेश सोनिया, योगेश पटेल, रवि सूर्यवांसी, मोहनलाल प्रजापति, उपदेश गौर व समस्त राजस्व शाखा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

जया और कर्तव्य ने परीक्षा में 96% अंक लेकर नगर का गौरव बढ़ाया

तेंदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र के विद्यार्थियों ने हाई स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा जया दुबे एवं कर्तव्य साहू ने 96% अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। दोनों की इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय एवं पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों ने इसे मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम बताया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन को दिया है। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

अवैध रेत खनन का संगठित नेटवर्क स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के आरोप

शहडोल/ब्यौहारी। जिले की ब्यौहारी तहसील अंतर्गत बाणसागर थाना क्षेत्र में अवैध रेत खनन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक पुरानी रेत ठेका कंपनी के कर्मचारियों द्वारा इस पूरे कारोबार को संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस सिंडिकेट ने ब्यौहारी अनुविभागीय क्षेत्र में कई स्थानों को चिन्हित कर रखा है, जहां बड़े पैमाने पर रेत का उत्खनन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, एक दिन में करीब 3000-4000 घन मीटर तक रेत एक ही स्थान से पोकलेन मशीनों के जरिए निकाली जा रही है। सूत्रों का दावा है कि पूरे क्षेत्र को करीब 5 हिस्सों में बांटकर काम किया जा रहा है, जहां हर क्षेत्र में 1-2 जेसीबी या बड़ी पोकलेन मशीनें लगातार लगी रहती हैं। इस अवैध खनन गतिविधि में स्थानीय स्तर पर कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित संलिप्तता भी सामने आ रही है। खास तौर पर एक हेड कांस्टेबल, पर आरोप है कि वह इस पूरे नेटवर्क के संचालन में अहम भूमिका निभा रहा है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस अवैध कारोबार से होने वाली कमाई का हिस्सा कुछ प्रभावशाली लोगों और राजनीतिक रसूख रखने वालों तक भी पहुंच रहा है, और उनकी गाड़ियों का इस्तेमाल भी इस कार्य में किया जा रहा है।

मंडला में एक शख्स ने सड़क के बीच किया तंत्र-मंत्र, यातायात हुआ बाधित

मंडला। मंडला शहर के व्यस्त चिलमन चौक पर एक शख्स ने सड़क के बीचों-बीच तंत्र-मंत्र करना शुरू कर दिया। घटना के कारण लगभग एक घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मानसिक रूप से असंतुलित प्रतीत हो रहा था।

कैंट थाना क्षेत्र में युवक से मारपीट के बाद इलाके में तनाव

सागर में मामूली हादसे के बाद साम्प्रदायिक तनाव दो पक्षों में हुई मारपीट, भारी पुलिसबल तैनात

सागर। दोपहर मेट्रो

शहर के सदर इलाके में रविवार रात को हुए एक सड़क हादसे के बाद दो बाइक सवारों के बीच शुरु हुई कहासूनी और मारपीट ने इलाके में तनाव का रूप धारण कर लिया। यहां हादसे को साम्प्रदायिक रूप देने की कोशिश में हालात बिगड़ गए। देखते ही देखने दो समुदाय के लोग आमने - सामने आ गए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस अधिकारियों को सूचना दी गई, जिसे संभालने के लिए शहर के सभी थाना प्रभारियों को सदर इलाके में भेजा गया। पहले तो भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रण में लिया। इसके बाद पुलिस ने सड़क पर फ्लैग मार्च निकालकर दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। दरअसल, कैंट थाना इलाके में रात करीब 9:30 बजे संकट मोचन हनुमान मंदिर के पास दो युवकों की बाइक आपस में टकरा गई। टक्कर के चलते शुरु हुई कहासुनी में सौरभ भाटिया नाम के युवक के साथ समुदाय विशेष के बाइक सवार ने मारपीट कर दी। सौरभ घायल अवस्था में घर पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने परिवार को दी। परिवार वाले शिकायत लेकर समुदाय विशेष के लोगों के पास पहुंचे। यहां स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि, यहां भी दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जिसके चलते समुदाय विशेष के लोगों ने लाठी - डंडों से सौरभ के पक्ष के लोगों पर हमला बोल दिया।

थाना परिसर के पास भी भिड़े दोनों पक्ष

कुछ देर बाद दोनों पक्षों के लोग अपनी - अपनी शिकायतें लेकर कैंट थाने पहुंचे। लेकिन, कैंट थाना परिसर के पास भी दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख कैंट थाने के साथ, मोतीनगर, कोतवाली, सिविल लाइन थाना प्रभारी भी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते थाना परिसर अचानक छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थितियों का जायजा लिया।

घायल युवक को इलाज के लिए भेजा अस्पताल

इधर, मारपीट में घायल हुए सौरभ को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, फिलहाल दोनों पक्षों से पूछताछ शुरु कर दी गई है। स्थानीय लोगों में भय का माहौल न रहे इसके लिए इलाके में पुलिसबल तैनात किया गया है। सड़क से पुलिस अधिकारियों नें दल बल के साथ फ्लैग मार्च कर दोनों पक्षों से हालात सामान्य बनाए रखने की अपील की है।

गार्ड के बिना चल रहीं शाखाएं, लूट की घटना के बाद बढ़ी चिंता

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभाग में हाल ही में सिंगरौली में हुई बैंक लूट की घटना के बाद बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। करोड़ों रुपये के दैनिक लेनदेन वाले कई बैंक शाखाओं में सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति सामने आ रही है, जिसे बड़ी लापरवाही माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जिस बैंक में लूट की वारदात हुई, वहां सुरक्षा गार्ड नहीं था, जिससे अपराधियों को वारदात को अंजाम देने में आसानी हुई। यह स्थिति केवल एक बैंक तक सीमित नहीं है। अनूपपुर, उमरिया और शहडोल जिले के कई बैंक भी बिना गार्ड के संचालित हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जहां रोजाना लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक का लेनदेन होता है, वहां सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम क्यों नहीं हैं? बैंकिंग नियमों के तहत शाखाओं में सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी और अन्य सुरक्षा उपाय अनिवार्य माने जाते हैं, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

कर्ज के कारण जमीन बेचने की बात पर विवाद

बेटे ने परिवार पर किया चाकू से हमला, चार घायल

धरमपुरी। दोपहर मेट्रो

तहसील के ग्राम सेमल्दो में परिवारिक विवाद में बेटे ने चाकू से हमला कर दिया, घटना में पिता सहित परिवार के अन्यक सदस्योंा को चोट आई है। गांव वालों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, हालांकि तब तक आरोपी बेटा फरार हो गया था। इधर घायलों को समीप के अस्प ताल में पहुंचाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को भर्ती किया गया है। पुलिस ने इस मामले में पिता शांतिलाल कुशवाह की रिपोर्ट पर आरोपी बेटे दुर्गेश कुशवाह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी हैं, बेटा जमीन बेचने की बात करने से नाराज चल रहा था। इसी कारण परिवार पर चाकू से हमला किया था।

जानकारी के अनुसार, फरियादी शांतिलाल कुशवाह (65 वर्ष) निवासी सिंगाजी मंदिर के पास सेमलदा ने पुलिस को बताया कि कर्ज के चलते वे अपनी जमीन बेचने की बात कर रहे थे, लेकिन छोटा बेटा दुर्गेश इसका विरोध कर रहा था। दुर्गेश ने पहले पिता के साथ गाली-गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए बड़े भाई ललित पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई। इतना ही नहीं, आरोपी दुर्गेश ने, अपनी मां ममता, भाभी रानू और चचेरे भाई सुरेंद्र पर भी चाकू से वार कर दिया। हमले में सुरेंद्र के पेट में गंभीर चोट लगी है, जबकि अन्य तीन लोग भी घायल हुए हैं। घटना के बाद आरोपी ने धमकी दी– अगर जमीन बेचने की बात की तो जान से खत्म कर दूंगा 'और मौके से फरार हो गया।घायलों को तत्काल निजी वाहन से सरकारी अस्पताल धामनोद में भर्ती कराया गया, जहां चार घायलों का प्राथमिक इलाज कर, गंभीर स्थिति होने पर रेफर किया। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के अनुसार घटना की सूचना मिलने के बाद से ही आरोपी की तलाश कर रहे हैं, परिवारिक कहासुनी में ही दुर्गेश ने हमला किया था। घायलों का उपचार जारी है।

डिंडौरी के स्टॉप डैम के पानी को गंदा किए जाने से नाराज ग्रामीणों ने डंडे लगाकर रास्ता बंद किया

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

डिंडौरी के सिटी कोतवाली क्षेत्र में रविवार को मुड़की-नेवसा मार्ग पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। स्टॉप डैम के पानी को गंदा किए जाने से नाराज ग्रामीणों ने डंडे लगाकर रास्ता बंद कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।एएसआई अखिलेश के अनुसार, करीब 15 मिनट तक समझाइश देने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया और आवागमन फिर से शुरू हो गया।

आहत होकर महिला ने फांसी लगाकर की थी आत्महत्या, पड़ताल जारी

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की दिनदयालपुरम कॉलोनी में महिला की संदिग्धी परिस्थिति में हुई मौत के मामले में पति ही जिम्मेदार निकला हैं, पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि आरोपी पति बच्चें नहीं होने पर दूसरी पत्नी लेकर आना चाहा रहा था। आए दिन घरेलु विवाद में महिला प्यारीबाई को ससुराल पक्ष के लोग प्रताडित करते थे, इसी बात से आहत होकर महिला ने सुसाईड किया। पुलिस ने आरोपी दिलुबाई पति गुलाबसिंह, मोनिका पिता गुलाब सिंह, संजय पिता गुलाबसिंह व गुलाबसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है। अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है।

दरअसल कोतवाली थाना अंतर्गत दिनदयालपुरम कॉलोनी में 20 मार्च को दोपहर के समय महिला प्यारीबाई ने फांसी लगाकर आत्माहत्या की थी। आरोपीयो ने अपनी बहु मृतिका प्यारीबाई को बच्चे नही होने पर बार-बार बाँझ होने के ताने मारे व दुसरी औरत लाने की बात कहने पर मृतिका प्यारीबाई ने ससुराल वाले की प्रताड़ना से परेशान होकर 20 मार्च को फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतिका के परिजनो के कथनो के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने आत्महत्या के लिए उसकाने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

सीताडोगरी के पास मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 10 घायल

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में सीताडोगरी के पास सुबह करीब 6 बजे मटकुली से लौट रही मजदूरों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में वाहन में सवार 10 मजदूर घायल हो गए हैं। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है और पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर ग्राम गुहची में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु

नटखट कान्हा की बाल लीलाओं से गूंजा गुहची

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम गुहची में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा। कथावाचक पं. उमाशंकर शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की नटखट बाल लीलाओं का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा के दौरान शास्त्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर उनकी बाल्यकालीन अद्भुत लीलाओं का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेकर अत्याचार का अंत करने का संकल्प लिया और बाल्यकाल में ही पूतना वध, तृणावर्त उद्धार जैसी लीलाओं से अपनी दिव्यता का परिचय दिया। गोवर्धन लीला का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए इंद्र के अहंकार को तोड़ा और गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। वहीं माखन चोरी, गोप-गोपियों के संग हंसी-ठिठोली और ग्वालबालों के साथ खेली गई लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु आनंदित हो उठे।

कथा के बीच-बीच में कृष्ण भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा पंडाल 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। शास्त्री जी ने अपने प्रवचन में समाज को संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल ने हमें यह सिखाया कि धन होने के बावजूद ऑक्सीजन नहीं खरीदी जा सकती, जबकि प्रकृति ने इसे हमें निःशुल्क प्रदान किया है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों, जैसे जन्मदिन पर, पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर पं. बलिराम तिवारी (पप्पू महाराज), मालक सिंह यादव, ताराचंद्र यादव, दीपक यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति, प्रेम और प्रकृति संरक्षण का संदेश गहराई तक उतर गया, जिससे पूरा गुहची गांव आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

पति ने पत्नी को मौत के घाट उतारा, आरोपी गिरफ्तार

मंडला। दोपहर मेट्रो

मंडला जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया है। इतना ही नहीं कलयुगी बेटे ने मां को भी उठाकर जमीन पटक दिया, इसके बाद उसके पति ने गला घोंटकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद खून से सने हाथ धोए। कपड़े भी बदले। मामला निवास थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान तुलसा बाई के रूप में हुई है, जो घुरनेर गांव की रहने वाली थी। आरोपी पति का नाम चंद्रिका प्रसाद और बेटे का नाम मनोहर प्रसाद है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा. सूचना क्रमांक 02/2026-27/ एस.ए.स/लो.स्वा.यां.वि/राजगढ़ दि.15.04.2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑन लाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर आमंत्रित की गई है। राजगढ जिले के विकास खण्ड ब्यावरा में हेण्डपंप संधारण का कार्य की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है।

निविदा क्र / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत रू.लाख में	धरोहर राशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मुल्य	समयावधि	रिमार्क
02/26 -27 दि. 15. 04. 2026	2026_ PHED_ 500475 _pack1	ब्यावरा	राजगढ़ जिले के विकास खंड ब्यावरा के विभिन्न ग्रामो /बसाहटों में स्थापित समस्त हेण्ड पम्पों के संधारण कार्य 6-6 मजदूर, 2 नग महिन्द्रा बोलेरो पिकअप /टाटा पिकअप पी.ओ.एल. सहित	19.18	38360.00	2000.00	12 माह	

ऑन लाईन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 27.04.2026, ऑन लाईन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि 29.04.2026

G-11765/26 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ (ब्यावरा) म.प्र.

आज गुजरात और मुंबई का मैच जीटी के पास चौथी जीत का मौका

आईपीएल में हार का सिलसिला तोड़ना चाहेगी मुंबई

अहमदाबाद, एजेंसी

आईपीएल के 19वें सीजन का 30वां मैच आज गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7.30 बजे शुरू होगा। शाम 7 बजे मैच का टॉस होगा। इस मुकाबले में गुजरात के पास लगातार चौथी जीत का मौका होगा, जबकि मुंबई की टीम हार का सिलसिला तोड़ना चाहेगी। टीम लगातार चार मैच हार चुकी है।

इस मैच में शुभमन गिल के पास ऑरेंज कैप हासिल करने का मौका भी है। वे 251 रन बना चुके हैं और हैदराबाद के हेनरिक क्लासन से 32 रन पीछे हैं। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा पर्पल कैप से 2 विकेट दूर हैं। उनके नाम 11 विकेट हैं। गुजरात टाइटंस की ओर से शुभमन गिल टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने अब तक खेले 5 मैचों में 251 रन बनाए हैं। वहीं, जोस बटलर 220 रन के साथ टीम के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा ने 11 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में दूसरा स्थान हासिल किया है और वे गुजरात के सबसे सफल गेंदबाज हैं।

रोहित ने सबसे ज्यादा रन बनाए

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने 4 मैचों में 137 रन बनाए हैं। टीम की ओर से रायन रिकेल्टन ने भी 137 रन बनाए हैं। रायन ने रोहित से एक मैच ज्यादा खेला है। शार्दूल ठाकुर 6 विकेट के साथ टीम के टॉप विकेट-टेकर हैं।

रोहित शर्मा के खेलने पर सस्पेंस

इस मुकाबले में रोहित शर्मा के खेलने पर संदेह है। वे 12 अप्रैल को वानखेड़े में बेंगलुरु के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। रोहित की चोट पर कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि वे कम से कम दो मैच आराम करेंगे। हम उनकी वापसी पर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।

गुजरात टाइटंस- साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा। इम्पैक्ट प्लेयर- शाहरुख खान।

मुंबई इंडियंस- रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), क्विंटन डी कॉक, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), शेरफन रदरफोर्ड, नमन धीर, मयंक रावत, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर- ट्रेंट बोल्ट।

अहमदाबाद में खेला जाएगा सीजन का तीसरा मैच

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच आमतौर पर बैलेंस मानी जाती है, जहां बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को मदद मिलती है। मैच की शुरुआत में पिच पर अच्छी बाउंस और थोड़ी सी मदद तेज गेंदबाजों को मिलती है, जिससे पावरप्ले में विकेट गिरने के मौके रहते हैं। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, पिच थोड़ी धीमी हो जाती है और स्पिन गेंदबाज असर डालने लगते हैं। इस मैदान की बाउंड्री बड़ी होने के कारण बल्लेबाजों के लिए लगातार बड़े शॉट लगाना आसान नहीं होता, इसलिए स्ट्राइक रोटेशन काफी अहम रहता है। इस सीजन यहां दो मैच खेले गए हैं। एक में गुजरात को जीत मिली और एक में हार का सामना करना पड़ा। यहां अब तक कुल 46 आईपीएल मैच खेले गए हैं। 23 मैचों में पहली पारी में बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली, इतने ही मैचों में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। इस सीजन यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें गुजरात को एक में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैदान पर अब तक 46 आईपीएल मैच खेले गए हैं। इनमें से 23 मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है, जबकि इतने ही मैचों में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। 20 अप्रैल को अहमदाबाद में मौसम काफी गर्म रहा। दिन का अधिकतम तापमान लगभग 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक रहा है।

आईपीएल के रोमांच में पिच का रोल

आखिरकारआईपीएल 2026 के 23वें दिन टूर्नामेंट में सभी टीमों के नाम जीत का खाता खुल ही गया।रविवार को डबल हेडर में गेंदबाजों की मददगार पिच पर कोलकाता में हुए पहले मुकाबले में केकेआर ने अपनी पहली जीत हासिल पॉइंट्स टेबल में मुंबई को पछाड़कर 9वीं पोजीशन हासिल कर ली है।आईपीएल में कल खेले गए दोनों ही मुकाबले अलग अंदाज के रहे।कोलकाता में हुई पहली भिड़ंत में जहाँ गेंदबाजों का किरदार निर्णायक रहा,जबकि चंडीगढ़ में हुए दूसरे मैच में युवा बल्लेबाजों ही बोलबाला देखने को मिला। 74 मैच व 2 माह से अधिक चलने वाले आईपीएल ने अपना एक तिहाई से ज्यादा का सफर पूरा कर लिया है। तमाम उतार चढ़ाव और युवाओं के जोश वाले इस चक्र में देशी व विदेशी हीरो कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके।बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों की रस्साकस्सी वाले इस फ़ॉर्मेट में बल्ले का ही दम देखने को मिला है।जबकि गेंदबाज अब तक हुए ज्यादातर मैचों में लाचार ही नजर आये हैं।वजह एकदम साफ है कि आईपीएल के आयोजकों और प्रायोजकों की मंशानुसार पिच तैयार की गयी हो सकती है।जसप्रीत बुमराह,वरुण चक्रवर्ती,अक्षर पटेल और अर्शदीप जैसे दमदार गेंदबाजों के साथ ही विदेशी गेंदबाजों की नाकामी भी यही बयां करती है।बात सिर्फ गेंदबाजों की ही नहीं है हाल कुछ ऐसा ही अब तक नामी बल्लेबाजों का भी रहा है। इसी वजह से सितारों से सुसज्जित पूर्व चैंपियन टीमें मौजूदा टूर्नामेंट में फिलहाल पिछड़ती नजर आयी हैं। सभी टीमों ने लीग राउंड में अपने एक तिहाई से अधिक हुए सफर के बाद जो मुकाम हासिल किया है वह दिलचस्प कहा जा सकता है।एक ओर जहां 5 बार की चैंपियन आखिरी पायदान पर है,वहीं चेन्नई और कोलकाता जैसी टूर्नामेंट की बड़ी विजेता टीमें पॉइंट्स टेबल में 7वें और 9वें क्रम पर विराजमान हैं। भले ही कोलकाता और चेन्नई का टीम संयोजन थोड़ा कमजोर रहा है, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन के सितारों से सजी मुंबई इंडियंस की दुर्दशा सभी के लिए चोंकाने वाली है। ऐसा अंदेशा जताया जा रहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली इस टीम में सब कुछ ठीक भी नहीं है। वैसे तो आईपीएल की खूबी ओर खासियत हमेशा से यही रही है कि इसके आकलन और अनुमान में भारी उलटफेर की गुंजाइश और परंपरा हमेशा बनी रहती है। इसी कारण हाल फिलहाल में तो किसी भी टीम के लिए कोई भी गणित समझना जल्दबाजी ही कही जा सकती है।अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार गेंदबाज क्यों इस टूर्नामेंट में लाचार नजर आ रहे हैं। क्या गेंदबाज अपनी पूरी काबलियत ओर क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर रहे है या फिर बल्लेबाजों के धमाकेदार खेल में पिच का योगदान कहीं अधिक है।फिर बात यह जहन में आती है कि आखिर क्यों इस टूर्नामेंट में वही बल्लेबाज विस्फोटक बल्लेबाजी कर रहे हैं जो या तो टी20 वर्ल्ड कप की टीमों का हिस्सा नहीं थे या फिर कमाल वह बल्लेबाज दिखा रहें है जिनको भविष्य का विस्फोट माना जा रहा है।भले ही ऐसा माना जा रहा हो कि दिग्गजों के असफल होने की वजह लगातार होने वाली क्रिकेट हो,लेकिन क्या यह नियम सिर्फ घरेलू दिग्गजों पर लागू होता है।खैर यह सब बातें और आकलन तो अपने अपने नजरिये के हो सकते हैं लेकिन सच तो यह है कि अभी तक हुए मैचों से विदेशी खिलाडियों का एकादश में चयन और मैदान में उनकी गैरमौजूदगी से यह टूर्नामेंट अब तक नीरस नजर आया है।अब जब सभी टीमों के लिए अगला दौर करो या मरो को होगा तो फिर यह देखना दिलचस्प होगा कि सभी फ्रेंचाइजी के बड़ी रकम वाले खिलाड़ी क्या गुल खिलाते हैं। खैर आने वाले दौर में कौनसी टीम क्या कारनामा करती है यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन सच तो यह है कि जिस अंदाज में मौजूदा आईपीएल चल रहा है उससे इसकी लोकप्रियता ओर रोमांच के ग्राफ में वह बात तो कतई नहीं है जिसके लिए यह जाना जाता है।अब अगर हम पिच की बात करें तो फिर मेरे नजरिये में शुरुआती दौर के ज्यादातर मैचों में बल्लेबाजों की मददगार पिच का रुख और बर्ताव इस दौर में कुछ बदल सकता है जिससे गेंदबाजों का रोल इस राउंड को थोड़ा दिलचस्प कर सकता है।मतलब साफ है कि मौजूदा आईपीएल के निर्णायक राउंड में पिच का रोल भी खिलाड़ियों की भूमिका के साथ ही अहम रहने वाला है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

बांग्लादेश दौरे के लिए पाक टीम का ऐलान, शान मसूद संभालेंगे कमान

इस्लामाबाद. एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। 8 मई से ढाका में शुरू होने वाली इस सीरीज में शान मसूद टीम की कप्तानी करेंगे। इस स्क्वॉड में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया है। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। टीम में अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान ओवैस और मोहम्मद गाजी घोरी के रूप में चार नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। वहीं, टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को भी शामिल किया गया है। फिलहाल अजान ओवैस, इमाम-उल-हक और साजिद खान जैसे खिलाड़ी लाहौर के नेशनल क्रिकेट एकेडमी कैंप में तैयारी कर रहे हैं। इस दौरे के लिए कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया गया है। पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। सरफराज की कप्तानी में पाकिस्तान ने 2006 में अंडर-19 वर्ल्ड कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उनके साथ पूर्व क्रिकेटर असद शफीक को बैटिंग कोच और उमर गुल को बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी गई है। सीरीज का पहला मुकाबला 8 से 12 मई तक ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

लौरा वोल्वार्ट-सुने लूस की शतकीय साझेदारी

साउथ अफ्रीका विमेंस टीम की दूसरे टी-20 में जीत, भारत को 8 विकेट से हराया

डरबन. एजेंसी

भारतीय महिला टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में खेले गए इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद मिडिल और लोअर ऑर्डर के फ्लॉप प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।

साउथ अफ्रीका ने 148 रन का टारगेट 17.1 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की शानदार पार्टनरशिप की, जिसने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

शेफाली के 57 रन, फिर 48 रन पर 8 विकेट गिरे: टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। 13वें ओवर तक टीम का स्कोर 2 विकेट पर 99 रन था और वह 160 से अधिक के स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत ने महज 48 रन के भीतर अपने आखिरी 8 विकेट गंवा दिए। शेफाली वर्मा ने 57 रनों की पारी खेली, जबकि डेब्यू कर रही अनुष्का शर्मा ने 28 रन बनाए।

वर्ल्ड नंबर- वन आर्यना सबालेंका ने कराया फोटोशूट

नई दिल्ली. एजेंसी

टेनिस कोर्ट पर अपनी चीखों और विरोधी को चीरते बेसलाइन शॉट्स के लिए मशहूर वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका इन दिनों एक अलग ही अवतार में नजर आ रही हैं। हाल ही में 'एस्क्वायर' मैगजीन की कवर स्टार बनीं बेलारूस की सबालेंका ने बेहद ग्लैमरस फोटोशूट कराया है। नीले रंग के विशालकाय फर कोट और हाई हील्स में उनकी तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। इस दौरान दिए इंटरव्यू में 27 साल की सबालेंका ने खुद को दोहरी शख्सियत वाली इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'कोर्ट पर मैं बहुत आक्रामक और भावुक होती हूं। यह मेरे खेल की जरूरत है, लेकिन कोर्ट से बाहर मैं बिल्कुल अलग इंसान हूं, जो शांत है, जिसे गले मिलना पसंद है और जो शांति की तलाश में है।'

मेट्रो बाजार

मंजूरी में देरी से बैंकों ने रोका आयात बंदरगाहों पर फंसा पांच टन सोना

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय सराफा बाजार में इन दिनों अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। सरकारी अनुमति मिलने में हो रही देरी के कारण देश के प्रमुख बैंकों ने सोने और चांदी के नए आयात ऑर्डर पूरी तरह रोक दिए हैं। इस प्रशासनिक सुस्ती का सीधा असर न केवल घरेलू कीमतों पर पड़ सकता है, बल्कि आगामी त्योहारी सीजन में ग्राहकों की जेब पर भी भारी पड़ने की आशंका है।

इस संकट की जड़ में तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया है। नियमों के अनुसार, हर वित्त वर्ष की शुरुआत में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेशी व्यापार महानिदेशालय एक अधिसूचना जारी करता है। इसमें उन बैंकों की सूची होती है जिन्हें रिजर्व बैंक द्वारा कीमती धातुओं के आयात के लिए अधिकृत किया जाता है। पिछली अधिसूचना की मियाद 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है, लेकिन 17 अप्रैल बीत जाने के बाद भी सरकार की ओर से नया आदेश जारी नहीं किया गया है। वैध अनुमति न होने के कारण बैंक नई अंतरराष्ट्रीय खरीदारी करने से बच रहे हैं।

कस्टम क्लीयरेंस न मिलने से बंदरगाहों पर लगा ढेर: मंजूरी के अभाव का असर केवल कागजों तक सीमित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, देश के विभिन्न बंदरगाहों, विशेषकर मुंबई और कोलकाता में 5 टन से अधिक सोना और करीब 8 टन चांदी फंसी हुई है। कस्टम विभाग से क्लीयरेंस न मिलने के कारण बैंक और बुलियन कारोबारी अपनी पुरानी खेप भी बाजार तक नहीं ला पा रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि जब तक बंदरगाहों पर पड़ा पुराना माल क्लियर नहीं होता, तब तक नए सौदे करना जोखिम भरा है। आयात ठप होने से बाजार अब पुराने स्टॉक और गोल्ड श्वञ्जस्र पर निर्भर है। यदि सरकार ने जल्द ही नया आदेश जारी नहीं किया, तो बाजार में आपूर्ति की किल्लत पैदा हो सकती है।

'द गोल्ड बुलियन' कंपनी का दावा, ई-वेस्ट, खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सोना निकाल रहे कई देश

लंदन. एजेंसी

खराब होने पर आप जो स्मार्टफोन-लैपटॉप, टीवी आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कबाड़ी को रद्दी के भाव बेच देते हैं, उसमें सोने का खजाना छिपा हुआ है। अमरीका समेत दुनिया के कई देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे से करोड़ों का सोना निकाल रहे हैं। ब्रिटेन की द गोल्ड बुलियन कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार ई-वेस्ट से सोना निकालने में अमरीका सबसे आगे है। इसके बाद चीन, जापान, फ्रांस हैं। 20 फीसदी ई-कचरे का निस्तारण से ये देश हजारों किग्रा सोना निकाल रहे हैं।

भारत के लिए भी मौका: भारत में भी ई-कचरे से सोना निकालने के लो-कॉस्ट तकनीक विकसित हो गई है। देश में ई-वेस्ट से सोना निकालने की संभावनाएं हैं, क्योंकि भारत में हर साल 20 लाख टन ई-कचरा हर साल जेनरेट होता है। भारत ई-वेस्ट उत्पादन में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मुल्क है। भारत में जितना ई-कचरे का उत्पादन होता है उससे बड़ी मात्रा में सोने का उत्पादन हो सकता है। यह निर्भर करता है ई-कचरे किस चीज का है। महंगे और बड़ी कंपनियों के गैजेट्स में ज्यादा सोना मिलने की संभावना है।

जर्मनी कचरे से सोना निकालने में तीसरा सबसे बड़ा देश है। खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जर्मनी ने 20.84 करोड़ यूरो यानी 1900 करोड़ रुपए से अधिक का सोना निकाला। रिपोर्ट ब्रिटेन की द गोल्ड बुलियन कंपनी का दावा, ई-वेस्ट से सोना निकालने में अमरीका सबसे आगे है। ईवेस्ट, खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सोना निकाल रहे कई देश 300 ग्राम के करीब सोना होता है। 1 टन ई-वेस्ट खासकर मोबाइल स्क्रैप में18.50 लाख टन ई-वेस्ट में भारत में हुआ जनरेट, दुनियाभर में यह आंकड़ा पिछले साल 68 लाख टन रहा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेत्री *दीया मिर्जा* का छलका दर्द ज्यादा फिल्में नहीं करने पर जताया दुख

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल में ही कहा है कि उन्हें उनकी क्षमताओं के मुताबिक काम करने का मौका नहीं मिल सका है। निर्देशकों ने उनके ऊपर बहुत ग्लैमरस होने का ठप्पा लगा दिया, जिसकी वजह से उन्हें की अलग तरह की भूमिकाएं नहीं मिल सकीं। दीया मिर्जा हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अच्छी फिल्में की हैं, जिसकी वजह से उन्होंने काफी लोकप्रिता भी हासिल की है। हालांकि, फिल्मी दुनिया में उनका करियर बहुत लंबा और चर्चित नहीं हो सका...

अभिनेत्री के मुताबिक इसके पीछे कि जो वजह है, वो दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके ऊपर बहुत ज्यादा ग्लैमरस होने का ठप्पा लग गया, जिसकी वजह से उन्हें चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं नहीं मिलीं। दीया ने साल 2001 में हिंदी फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' किया था, जिससे उन्होंने अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन और रीमा सेन भी नजर आए थे। माधवन और दीया के बीच की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को आकर्षित किया। हालांकि इस फिल्म के बाद उनके ऊपर ग्लैमरस का ठप्पा लग गया। इसके बाद उन्हें अलग तरह की भूमिका मिलनी कम हो गईं।

निर्देशकों ने मुझे लेकर बनाई एक खास राय

एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निराशा व्यक्त करते हुए अभिनेत्र ने कहा, चूंकि निर्देशकों ने मुझे एक मुख्यधारा की अभिनेत्री के रूप में देखा, इसलिए मुझे एक अच्छी कहानी वाली फिल्म में अभिनय करने का मौका नहीं मिला, जो मैं चाहती थी। मैं अपने दिखने के तरीके के कारण कुछ फिल्मों से खारिज कर दी जाती थी।

विक्की बोले - 'हम दोनों में कैटरीना अभी भी बड़ी स्टार हैं'

विक्की आज जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि कैटरीना कैफ उन दोनों के बीच अभी भी बड़ी स्टार हैं, अभिनेता ने कहा कि यह कोई अहंकार नहीं है बल्कि असल सच्चाई है। अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी फिल्मों से बॉलीवुड में काफी नाम कमाया है। अभिनेता की गिनती आज बॉलीवुड के टॉप कलाकारों की लिस्ट में होती है। हालांकि, विक्की आज जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि कैटरीना कैफ उन दोनों के बीच अभी भी बड़ी स्टार हैं, अभिनेता ने कहा कि यह कोई अहंकार नहीं है बल्कि असल सच्चाई है। अभिनेता विक्की कौशल अक्सर पत्नी की दिल खोलकर तारीफ करते नजर आते हैं। विक्की ने हाल ही में, कहा कि कैटरीना उन दोनों के बीच एक बड़ी स्टार बनी हुई हैं और अभिनेता ने कहा कि वह उनसे प्यार करते हैं क्योंकि उनके पास एक सुपरस्टार का दिल है। एक साक्षात्कार में विक्की से पूछा गया कि उन्हें और कैटरीना को अक्सर पावर कपल कहा जाता है और अभिनेता इस बारे में क्या सोचते हैं? विक्की ने अपनी अभिनेत्री-पत्नी के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे लिए, कैटरीना मेरा रिएलिटी चेक हैं। वह हमेशा मुझे यह बताने के लिए मौजूद रहती हैं, यह बेहतर हो सकता है, वह बेहतर हो सकता है।

एक्ट्रेस काजोल बोलीं- अभिनय से ब्रेक लेने का फैसला मेरा अपना...

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। काजोल ने अपने शानदार फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को अभिनय से ज्यादा प्राथमिकता दी, जिसकी वजब से उन्हें कई बार अभिनय से दूर लंबे ब्रेक भी लिए हैं। एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में खुलकर बात की और खुद को सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री बताया। काजोल ने कहा, मुझे अभिनय विरासत में नहीं मिली। यह हर महिला का काम है। नरगिस, शर्मिला टैगोर की कोई विरासत नहीं थी। मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मेरे वंश की वजह से नहीं है। यह हर उस महिला की विरासत है, जिसने काम किया है। हर महिला को यह फैसला लेना होता है कि अब मैं ब्रेक लूंगी और अगर मैं वापस आना चाहती हूं तो मैं वापस आऊंगी और अगर वह चाहेगी तो ऐसा कर पाएगी।

कम काम करने वाली अभिनेत्री में से हूं...

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने कहा, अगर आप मेरी फिल्मोग्राफी देखें, तो मैं शायद सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री में से हूं। मेरी मां (दिग्गज अभिनेत्री तनुजा) और दादी (दिवंगत निर्देशक और अभिनेत्री शोभना समर्थ) ने हमेशा मुझसे कहा कि काम आपके जीवन का एक हिस्सा है, न कि आपका पूरा जीवन। मैंने ब्रेक लिया। मैं शादी करना चाहती थी और बच्चे पैदा करना चाहती थी। शुक्र है कि मैं अभी भी काम कर रही हूं और मैं अभी भी बेहद खुश हूं। काजोल ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब तक अच्छा अनुभव रखने के लिए सभी की आभारी हूं।

प्रदेश में भीषण गर्मी, नौगांव में पारा 44.3 डिग्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में गर्मी अब तेजी से विकराल रूप लेती जा रही है। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में ही तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। प्रदेश के कई शहरों में पारा 42 डिग्री के पार चला गया, जिससे लोगों को दिनभर तेज धूप और उमस का सामना करना पड़ा। छतरपुर जिले के नौगांव में सबसे ज्यादा 44.3 डिग्री तापमान दर्ज हुआ, जो इस सीजन का अब तक का सबसे उच्च स्तर है।

कई जिलों में अलर्ट जारी

प्रदेश के बुंदेलखंड और महाकौशल क्षेत्र में लू का असर साफ नजर आने लगा है। निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में दिन के समय तेज गर्म हवाएं चलीं, जिससे लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, कटनी, उमरिया, मंडला और छतरपुर जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में तापमान 44 डिग्री के आसपास या उससे अधिक रहने की संभावना जताई गई है।

बादल छाए, लेकिन गर्मी से राहत नहीं

प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों खरगोन, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में मौसम ने हल्की करवट जरूर ली। कहीं-कहीं बादल छाए और गरज-चमक भी हुई, लेकिन इससे तापमान में कोई खास गिरावट नहीं आई। भोपाल में भी दिन के समय बादल छाए रहे, फिर भी उमस और गर्मी बनी रही।

प्रदेश के सभी बड़े शहरों की हालत भी चिंताजनक

ग्वालियर में 42.4 डिग्री, भोपाल में 41.8 डिग्री, उज्जैन में 41.4 डिग्री और इंदौर में 40.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। सभी बड़े शहरों में गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026

बीजेपी के लिए अब भी चुनौती बरकरार नई जमीन बनाने की कोशिश जारी

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ दलों- DMK और AIADMK के इर्द-गिर्द घूमती रही है। क्षेत्रीय पहचान, भाषा और सांस्कृतिक मुद्दों के दम पर इन पार्टियों ने राज्य की राजनीति में मजबूत पकड़ बनाई है। यही वजह है कि BJP जैसी राष्ट्रीय पार्टी तमाम कोशिशों के बावजूद मतदाताओं के दिलों तक नहीं पहुंच पाई है। 2021 विधानसभा चुनाव में BJP और AIADMK के साथ गठबंधन कर 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ 4 सीटों पर जीत हासिल कर पाई। वोट शेयर भी 3% से कम रहा।

हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनावों में BJP को अप्रत्याशित बढ़त देखने को मिली। BJP ने पूर्व IPS अधिकारी के. अन्नामलई के हाथों में पार्टी की प्रदेश इकाई की कमान सौंपी। पार्टी ने राज्य भर में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की। 2024 का चुनाव BJP ने किसी भी द्रविड़ दल के साथ नहीं लड़ा, बावजूद इसके BJP को जितने वोट मिले उसने सबको चौंका दिया। पार्टी लोकसभा की एक भी सीट नहीं जीत पाई, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि 24 के लोकसभा चुनावों में BJP ने दक्षिणी तमिलनाडु और राजधानी चेन्नई में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

दक्षिण तमिलनाडु के कन्याकुमारी में BJP उम्मीदवार ने 35.6 फीसदी वोट हासिल किया, जबकि तिरुनेलवेली और रामनाथपुरम सीट पर वोट प्रतिशत 30 फीसदी से ज्यादा रहा। कुल मिलाकर दक्षिण तमिलनाडु में BJP ने अन्य छोटे दलों के साथ मिलकर करीब 23 फीसदी वोट हासिल किया, जबकि पश्चिमी तमिलनाडु में करीब 19 फीसदी और चेन्नई में करीब 17 फीसदी वोट पार्टी को मिले। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी एक सीट भी नहीं जीत पाई, लेकिन नॉन हिंदी हार्टलैंड में पार्टी की बढ़ती स्वीकृति ने कार्यकर्ताओं में एक नया जोश भर दिया।

2026 से पहले गठबंधन

2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने DMK को सत्ता से बाहर करने के लिए AIADMK से गठबंधन किया। इसके लिए AIADMK के महासचिव यड्डप्पाडी पलनीस्वामी ने अन्नामलई को प्रदेश BJP अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर दी। गठबंधन की मजबूरी के चलते पार्टी ने अन्नामलई की जगह नैनार नागेंद्रन को नया प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। इसके बाद, अन्नामलई को नजरअंदाज किया जाने लगा, बात यहां तक आ गई कि अन्नामलई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पिता की तबीयत ठीक नहीं होने की बात कहते हुए चुनाव प्रचार से खुद को बाहर रखने का फैसला कर लिया, लेकिन शीर्ष नेतृत्व की समझाईश के बाद अब वे चुनाव प्रचार करते हुए दिख रहे हैं। BJP वोटर्स ये मानते हैं कि अन्नामलई को साइडलाइन करने से पार्टी का मोमेंटम कमजोर हुआ है।

27 सीटों पर बीजेपी की परीक्षा

इस बार BJP 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जिनमें कुछ सीटों पर पार्टी को खास उम्मीदें हैं। प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन इस बार सातुर से चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले चुनावों में नागेंद्रन ने तिरुनेलवेली से चुनाव जीता था। फीडबैक मिला कि इस सीट पर उनके खिलाफ असंतोष है और सातुर सीट पर AIADMK की पकड़ मजबूत है। राजेंद्रन AIADMK से ही BJP में आए हैं, इसलिए उन्होंने इस सेफ सीट को चुना है।

इसके अलावा, कोयम्बटूर नॉर्थ सीट से भी BJP को जीत की उम्मीद है। हालांकि, BJP महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन ने पिछला चुनाव कोयम्बटूर साउथ से लड़ा था और अभिनेता कमल हासन को हराकर जैंट किलर बनी थीं, लेकिन इस बार छस्र्ब्य ने वहां से अपने हैवी वेट नेता सेंथिल बालाजी को टिकट दे दिया, जिससे वानथी की सीट फंस सकती थी, इसलिए उन्होंने सीट बदल ली और कोयम्बटूर साउथ को चुन लिया। यहां पर भी BJP का वोट बैंक मजबूत है।

गुरुग्राम सेक्टर-10 में पैकिंग हब में लगी आग से मची अफरा-तफरी

गुरुग्राम। सेक्टर-10 स्थित रवि नगर इलाके में सुबह एक पैकिंग हब के गोदाम में लगी भीषण आग से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुबह करीब साढ़े आठ बजे गोदाम की पहली मंजिल से उठते काले धुएं ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और पूरी मंजिल आग की चपेट में आ गई। रिहायशी क्षेत्र के नजदीक होने के कारण आग की लपटों ने लोगों में दहशत फैला दी और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन टीमें फायर टेंडरों के साथ मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

विधवा की दूसरी शादी, पहले पति की मौत के दुर्घटना मुआवजे से इनकार करने का आधार नहीं

हैदराबाद। तेलंगाना हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में साफ किया कि पति की रोड एक्सीडेंट में मौत के बाद विधवा को मिलने वाले मुआवजे का हक सिर्फ उसके पुनर्विवाह करने से समाप्त नहीं हो जाता। तेलंगाना हाईकोर्ट की जस्टिस एमजी प्रियदर्शनी ने कहा कि दोबारा शादी को आर्थिक नुकसान की भरपाई के रूप में नहीं माना जा सकता, जो महिला को अपने पहले पति की मौत से हुई थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर महिला का मृतक पति जीवित होता तो उसके पुनर्विवाह का प्रश्न ही नहीं उठता। पति की मौत के बाद महिला को जो मानसिक और आर्थिक नुकसान होता है, उसे किसी पुनर्विवाह से पूरी तरह से नहीं भरा जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि सोसायटी में दोबारा शादी के बाद भी महिला को पहले जैसी सुरक्षा और सामाजिक दर्जा नहीं मिलता, इसलिए मुआवजे का हक बना रहता है।यह केस साल 2000 में हुई एक रोड एक्सीडेंट से जुड़ा है, जिसमें नागराजू की मौत हो गई थी। इसके बाद, उनकी पत्नी और मां दोनों ने अलग-अलग मुआवजे के लिए अर्जी दाखिल की थी।

हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

कनाडा में पंजाबी टीवी होस्ट को 5.5 साल जेल की सजा

ओटावा। कनाडा में पिछले 10 साल से पंजाबी रेडियो और टीवी होस्ट के रूप में काम कर रही 47 वर्षीय सुखविंदर कौर संघा को ड्रग्स तस्करी के मामले में 5.5 साल की सजा सुनाई गई है। वह 2021 में अमेरिका से मेथ की तस्करी करते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई थीं। अदालत का यह फैसला तब आया जब उन्होंने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, तस्करी की जा रही ड्रग्स की कीमत 1 मिलियन से 10 मिलियन डॉलर के बीच आंकी गई थी। वहीं, उनके वकील ने दावा किया कि संघा ने यह अपराध मजबूरी में

किया था, क्योंकि किसी ने उनके बेटे को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी और उनसे 1.5 लाख डॉलर की मांग की गई थी। अभियोजन पक्ष ने 10 से 12 साल की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने दो साल की नजरबंदी और तीन साल की प्रोबेशन की मांग की थी।

जब अधिकारियों ने कार की जांच के लिए उन्हें रोकने को कहा, तो उन्होंने गाड़ी भगा दी। इसके बाद एक अन्य अधिकारी ने पीछा किया और उन्हें रोकने में सफल रहा। जांच में कार से ड्रग्स से भरे बैग, दो आईफोन और एक डिलीट किया हुआ आईपैड बरामद हुआ। बताया गया कि उसी साल अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में उन्होंने अमेरिका की तीन और यात्राएं की थीं, हालांकि उन यात्राओं में ड्रग्स लाने की पुष्टि नहीं हो सकी।

लड़ाकू विमान भी भेजने की तैयारी

भारत-रूस एक दूसरे के यहां तैनात करेंगे 3 हजार सैनिक

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और रूस के बीच साल 2025 में हुआ RELOS सैन्य समझौता प्रभावी हो गया है। इस समझौते के तहत दोनों देश आपस में सैन्य सहयोग बढ़ाएंगे। दोनों देश एक दूसरे के यहां पांच युद्धपोत व 10 लड़ाकू विमान भी तैनात कर सकेंगे। भारत व रूस अब एक-दूसरे के यहां तीन-तीन हजार तक सैनिकों की तैनाती कर सकेंगे। इन सैनिकों की तैनाती थल व वायु सैन्य ठिकानों, बंदरगाहों, स्टेशनों पर हो सकेगी। इस सिलसिले में दोनों देशों के बीच फरवरी 2025 में समझौता हुआ था जो अब प्रभावी हो गया है। भारत ने अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक रूस के साथ सैन्य सहयोग और रसद सहायता को बढ़ावा देने के लिए भारत-रूस परस्पर रसद आदान-प्रदान समझौता पर हस्ताक्षर किए थे।

आर्कटिक क्षेत्र में भारतीय पहुंच का होगा विस्तार

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द्विपक्षीय समझौते से आर्कटिक क्षेत्र में भारत की रणनीतिक पहुंच का विस्तार होता है। रूस और चीन द्वारा विशाल समुद्री क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के कारण यह क्षेत्र तेजी से वैश्विक समुद्री हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। भारत को रूस के मरमांस्क और सेवेरोमोर्स्क के विशाल बंदरगाहों तक पहुंच प्राप्त होगी।

लंबी दूरी के अभियानों में समय और धन बचेगा

मॉस्को हिंद महासागर में भारतीय नौसेना से रसद सहयोग की उम्मीद कर रहा है। यह समझौता रूस को ईंधन भरने, मरम्मत, अतिरिक्त पुर्जों और आपूर्ति जैसी सहायता प्रदान करेगा। युद्ध और शांति दोनों समय में लागू होने वाला यह समझौता दोनों देशों को लंबी दूरी के अभियानों में धन और समय बचाने में सक्षम बनाएगा। भारत ने अमेरिका के साथ इसी तरह का एक समझौता किया है। इसे लेमोआ (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) कहा जाता है। इसके तहत ईंधन भरने, आपूर्ति और रसद सहायता के लिए सैन्य सुविधाओं तक पारस्परिक पहुंच की अनुमति दी जाती है। हालांकि, सैनिकों की तैनाती के प्रावधान के कारण यह आरईएलओएस से अलग है। आरईएलओएस के तहत आवश्यकता पड़ने पर वस्तुओं के आदान-प्रदान की भी अनुमति है।

यूरोप का मोस्ट वॉन्टेड गैंग लीडर दुबई में गिरफ्तार

दुबई। कई सालों तक फरार रहने के बाद यूरोप के सबसे बड़े अपराधियों में गिने जाने वाले गैंग लीडर को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। डेनियल किनाहन को दुबई में एक संयुक्त अभियान के दौरान पकड़ा गया। यह कार्रवाई आयरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात की एजेंसियों ने मिलकर की। दुबई पुलिस ने एक 'आयरिश फरार अपराधी' की गिरफ्तारी की पुष्टि की, हालांकि नाम नहीं बताया गया। बाद में आयरिश मीडिया ने उसकी पहचान डेनियल किनाहन के रूप में की। आयरलैंड की पुलिस ने बताया कि 40 से ज्यादा उम्र के एक व्यक्ति को अदालत के वारंट के आधार पर हिरासत में लिया गया है।

टैरिफ पर ट्रंप को बड़ा झटका: सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कंपनियों को मिलेगा अरबों डॉलर का रिफंड

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले के बाद अब उन कंपनियों को राहत मिलने जा रही है, जिन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ (आयात शुल्क) का भुगतान किया था।आज से ऐसे कारोबारियों के लिए रिफंड (पैसे वापसी) की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा?

दरअसल, कोर्ट ने अपने छह-तीन के फैसले में कहा था कि ट्रंप ने बिना संवैधानिक अधिकार के ये टैरिफ लगाए थे, जो कि कांग्रेस के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके बाद अब अमेरिकी सरकार ने इन शुल्कों को लौटाने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया है। इस काम को अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) संभाल रही है।

सुबह से शुरू होगा ऑनलाइन पोर्टल

सीबीपी के मुताबिक, सोमवार सुबह आठ बजे से एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जाएगा, जहां आयात करने

वाली कंपनियां और उनके एजेंट रिफंड के लिए आवेदन कर सकेंगे। कंपनियों को उन सभी सामानों का विवरण देना होगा, जिन पर उन्होंने टैरिफ चुकाया था। अगर आवेदन सही पाया गया, तो 60 से 90 दिनों के अंदर पैसा वापस मिल सकता है। हालांकि, यह प्रक्रिया काफी जटिल है और एक साथ सभी को पैसे नहीं मिलेंगे। सरकार इसे चरणों (फेज) में लागू करेगी, जिसमें पहले हाल के भुगतानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

तमिलनाडुः पटाखा फैक्ट्री में धमाके से मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हुई

विरुदुनगर। तमिलनाडु के विरुदुनगर में एक बड़ा हादसा हो गया है। इस घटना में 23 लोगों की मौत हुई है और 6 लोग घायल हैं। कलेक्टर एन.ओ. सुखापुत्र ने बताया, 'विरुदुनगर में एक पटाखा कारखाने में विस्फोट हुआ, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई। 19 शवों की पहचान हो चुकी है, जिनमें 16 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। 6 घायल आईसीयू में भर्ती हैं। हमने पोस्टमार्टम के लिए विशेष व्यवस्था की है। बचाव अभियान के दौरान दूसरा विस्फोट हुआ, जिसके कारण बचाव कर्मियों को चोटें आईं। चिकित्सा दल उनकी देखभाल कर रहा है।

मेट्रो एंकर

होर्मुज बंद होने से मार्च में घरेलू आपूर्ति 8.1% गिरी

एलपीजी की खपत 13 फीसदी घटकर 24 लाख टन पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के चलते आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के चलते भारत में एलपीजी की खपत मार्च में तेजी से घटी। इस दौरान एलपीजी की खपत करीब 13% घटकर 23.79 लाख टन रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 27.29 लाख टन थी।

पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, मार्च में घरेलू एलपीजी आपूर्ति 8.1 फीसदी घटकर 22.19 लाख टन रह गई, जबकि गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाने वाली आपूर्ति में लगभग 48 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई। थोक एलपीजी बिक्री 75% कम हुई। इस बीच, 39,000 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं।

भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। सैन्य तनाव के कारण इस अहम समुद्री मार्ग में बाधा आई, जिससे सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित हुई। स्थिति को संभालने के लिए सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए होटल, उद्योग और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए एलपीजी आपूर्ति में कटौती की।

मार्च में स्थिर रही विमानन ईंधन की खपत

विमानन ईंधन की खपत मार्च में लगभग स्थिर रही और यह करीब 8.07 लाख टन दर्ज की गई, जो पिछले साल के लगभग बराबर है। दूसरी ओर, पेट्रोल और डीजल की मांग मजबूत रही। मार्च में पेट्रोल की खपत 7.6 फीसदी बढ़कर 37.8 लाख टन हो गई, जबकि डीजल की खपत 8.1 फीसदी बढ़कर 87.27 लाख टन हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564